जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, रविवार 11 जून, 2023

जयपुर में 3000 की रेट से कोठी कहीं नहीं मिले तो...

केडिया है ना !

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

2 BHK WALK-UP अपार्टमेंट	1350 SF	45 लाख
3 BHK WALK-UP अपार्टमेंट	1900 SF	50 लाख
3 BHK BIG कोठी	2000 SF	60 लाख
4 BHK BIGGER कोठी	2325 SF	70 लाख
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 SF	1 करोड़

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर
एम.आई. रोड़ से एक LEFT पर !

KEDIA

1800 120 2323
info@kedia.com www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

प्रसन्नता विज्ञान

प्रसन्नता और स्वास्थ्य के मध्य इतना प्रगाढ़ संबंध है कि 900 से 1,000 वर्ष ईसा पूर्व दी गयी स्वास्थ्य की परिभाषा में ही आत्मा, इन्द्रियों और मन की प्रसन्नता को समाहित किया गया है (सु.सू., 15.41): समदोषः समाग्निश्च समधातु मलक्रियः। प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थइत्यभिधीयते।। जिस व्यक्ति के दोष, अग्नि, धातु, और मल-त्याग सन्तुलित हों, इन्द्रियाँ, आत्मा व मन प्रसन्न हो, वही स्वस्थ कहलाता है। आयुर्वेद की परिभाषा में भी प्रसन्नता का प्रमुख स्थान है। जीवन में हितकारी, अहितकारी, सुखकारी, दुःखकारी, और उनके मानदण्डों को दर्शित करने वाला विज्ञान ही आयुर्वेद है (च.सू. 1.41): हिताहितं सुखं दुःखमायुस्तस्य हिताहितम्। मानं च तच्च यत्रोक्तमायुर्वेदः स उच्यते।। सुख व दुःख को भी स्वास्थ्य पर केन्द्रित कर परिभाषित किया गया है (च.सू.9.4): विकारो धातुवैषम्यं साम्यं प्रकृतिरुच्यते। सुखसंज्ञकमारोग्यं विकारो दुःखमेव च।। धातुओं में विषमता विकार है और संतुलन ही प्रकृति है। आरोग्य का नाम सुख है और विकार दुःख है। वस्तुतः मन की प्रसन्नता आरोग्य का सर्वश्रेष्ठ सूचक है (च.सू.25.40): अनिर्वेदो वार्तलक्षणानां श्रेष्ठम्।

प्रसन्नता क्या है? यह विश्लेषण प्रसन्नता में सुख, हर्ष और नन्दन को शामिल मानता है, पर मोक्ष से प्राप्त आनंद शामिल नहीं है। वस्तुतः यह जन-सामान्य के मध्य प्रसन्नता बढ़ाने की रणनीति या युक्ति पर प्रमाण-आधारित विश्लेषण है। श्री वामन शिवराम आप्टे के संस्कृत-हिंदी कोश के अनुसार सुख का तात्पर्य आनंद, हर्षपूर्ण, प्रसन्नता, खुशी, अनुकूलता आदि है। हर्ष से तात्पर्य आनंद, खुशी, प्रसन्नता, संतोष, एक सुखात्मक भाव, उल्लास, आह्लाद आदि हैं। नन्दन से तात्पर्य खुश करने वाला, प्रसन्न करने वाला, सुहावना आदि हैं।

प्रसन्नता कैसे प्राप्त की जाये? हम प्रसन्न कैसे रह सकते हैं? कौन से कारक हैं जो हमें प्रसन्नता देते हैं? इस प्रश्न का उत्तर प्राचीन आयुर्वेद संहिताओं के साथ-साथ समकालीन वैज्ञानिकों द्वारा इस विषय में अब तक प्रकाशित 54,112 शोधपत्रों में देखना होगा। यह कार्य तो एक पुस्तक लिखने से भी नहीं पूरा होगा पर प्रसन्नता पर क्लिनिकल ट्रायल्स की मेटा-एनालिसिस और सिस्टेमेटिक-रेव्यूज के साथ साथ आयुर्वेद की संहिताओं से हम खुश रहने का रास्ता खोज सकते हैं। इसी प्रकार प्रसन्नता प्राप्त करने के सन्दर्भ में लगभग 200 से अधिक सन्दर्भ आयुर्वेद की संहिताओं में सीधे-सीधे प्राप्त होते हैं। उनमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण,उपयोगी और प्रमाण-आधारित चार रणनीतियां यहाँ वर्णित हैं।

1.तत्त्वावबोधः (शिक्षा, कौशल और नवाचार) -यथार्थ-ज्ञान, सच्चाई का बोध या उच्च-शिक्षा प्रसन्नता का मूल कारक है (च.सू.30.15): तत्त्वावबोधोहर्षणानांउत्कृष्टतमम् - मन को प्रसन्न करने वाले कारकों में तत्वज्ञान या सच्चाई का ज्ञान सर्वोत्कृष्ट है। समग्र दुःख (शरीर और मन के रोग) अविज्ञान (मूर्खता) के अधीन हैं। समग्र सुख विमल ज्ञान में प्रतिष्ठित हैं (च.सू.30.84): समग्रं दुःखमायत्तमविज्ञाने द्वयाश्रयम्। सुखं समग्रं विज्ञाने विमले च प्रतिष्ठितम्।। असल में उत्तम शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वाध्याय द्वारा निरंतर ठोस ज्ञान प्राप्त किये बिना प्रसन्नता देने में सहायक अन्य किसी रणनीति का क्रियान्वयन संभव नहीं है। उदाहरण के लिये यथार्थ-बोध के बिना प्रसन्नता देने वाली अन्य रणनीतियों जैसे आत्म-नियंत्रण, नियत कर्तव्यों का पालन और सुखायु या हितायु आदि का क्रियान्वयन संभव नहीं है। आत्म-चिंतन हेतु स्वयं को समय देना, मनोरम स्थलों की यात्रा करना, उपयोगी जानकारी जुटाना आदि प्रसन्नता देते हैं। समकालीन शोध में वर्ष 1930 से 2020 के मध्य शिक्षा और प्रसन्नता के रिश्तों 182 शोधपत्र विश्व की प्रमुख शोध जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं (देखें, इकोनॉमिक्स ऑफ़ एजुकेशन रिव्यू, 17:245-256, 1998; एप्लाइड साइकोलॉजी, 68:150-176, 2019)।

2. इन्द्रियजयः (आत्म-नियंत्रण)- आयुर्वेद के अनुसार प्रसन्नता देने वाला सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक इन्द्रियजय है (च.सू.30.15): इन्द्रियजयो नन्दनानांउत्कृष्टतमम्- प्रसन्नता देने वाले कारकों में इन्द्रियों पर नियंत्रण करना सर्वोत्कृष्ट है। असल में आत्म-नियंत्रण के बिना प्रसन्नता देने में सहायक अन्य रणनीतियों, जैसे नियत कर्तव्यों का पालन और सुखायु या हितायु का क्रियान्वयन संभव नहीं है। विश्व की सर्वाधिक महत्वपूर्ण जर्नल्स में 1978 से 2020 के बीच प्रकाशित 89 शोधपत्र भी यही सिद्ध करते हैं कि प्रसन्नता देने वाले कारकों में आत्म-नियंत्रण (सेल्फ-कंट्रोल) सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है (उदाहरण के लिये देखें, फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी, 10, आर्ट.706, 2019)।

3. धर्म्याः क्रियाः (कर्तव्य-पालन)- प्रसन्नता देने वाला तीसरा महत्वपूर्ण कारक नियत कर्तव्यों का पालन करना है (च.शा.2.41): धर्म्याः क्रिया हर्षनिमित्तमुक्ताः - कर्त्तव्यसंगत, कानूनी रूप से वैध या नियत कर्तव्यों के पालन को हर्ष का निमित्त कहा गया है। व्यक्ति के स्वयं के प्रति, परिवार के प्रति, परिवार में विभिन्न रिश्तों के प्रति और समाज और देश के प्रति कुछ कर्तव्य निर्धारित होते हैं। इन सबका यथार्थ-बोध होना, और तदनुसार आत्म-नियंत्रित रहकर भली-भांति निभाना प्रसन्नता देता है। व्यक्ति का अपने शरीर को स्वस्थ और प्राणवान रखने हेतु निहित कर्तव्यों का निर्वाह प्रसन्नता देता है। परिवार में पत्नी, पति, पिता, माता, भाई, बहन, पुत्र, पुत्री होने और कार्य में कर्मचारी-अधिकारी या स्वयं मालिक होने के कर्त्तव्य का सफल और सम्यक निर्वाह प्रसन्नता देता है। इसी प्रकार समाज के प्रति कर्त्तव्य निर्वाह में सामाजिक सद्वृत्तों का पालन प्रसन्नता देता है। कर्तव्य-विमुख व्यक्ति प्रसन्न नहीं रह सकता। विश्व की सर्वाधिक महत्वपूर्ण जर्नल्स में 1998 से 2020 के बीच प्रकाशित 80 शोधपत्र भी यही सिद्ध करते हैं कि प्रसन्नता देने वाले कारकों में दूसरों के प्रति सद्भावनापूर्ण कर्त्तव्य निर्वहन, उन्हें समय देना, उनकी मदद में धन खर्च करना और समाजोपयोगी कार्य करना जिसे शोध में प्रोसोशियालिटी शब्द द्वारा स्पष्ट किया गया है, प्रसन्नता देने वाला महत्वपूर्ण कारक है। दीर्घकालीन खुशी सिर्फ विश्व के साथ सार्थक संबंध में निहित है। यहाँ सार्थक का मतलब स्वार्थ नहीं है (उदाहरण के लिये देखें, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 17: 1-12, 2020; साइंस, 319:1687-1688, 2008; जर्नल ऑफ़ हैप्पीनेस स्टडीज, 13:347-355, 2012; करेंट डायरेक्शन्स इन साइकोलॉजिकल साइंस, 23:41-47, 2014)। इस रणनीति में बढ़िया शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य, लोगों का कल्याण, लचीलापन, जीवन का सार्थक उद्देश्य, जीवन में स्वास्थ्य संबंधी गुणवत्ता और सामाजिक भागीदारी जैसे कारक समाहित हो जाते हैं जिन्हें शोध में प्रसन्नता के लिये उपयोगी पाया गया है।

4.सुखमायुः हितमायुः (सुखकारी और हितकारी जीवन)- प्रसन्नता देने वाला चौथा कारक सुखायु-हितायु का एक साथ पाया जाना है। स्वयं के लिये सुखकारी और समाज के लिये हितकारी जीवन जीने की साझा युक्ति ही प्रसन्नता देती है। सुखी और हितकारी जीवन के लक्षणों में प्रसन्नता देने वाले कारक भी निहित हैं (च.सू.30.24): तत्र शारीरमानसाभ्यां रोगाभ्यामनभिद्रुतस्य

सारांश में कहें तो बढ़िया शिक्षा, कौशल और नवाचार, आत्म-नियंत्रण, और कर्तव्यों का निर्वहन आनंददायी है। उत्तम जीवनशैली द्वारा स्वास्थ्य और सामर्थ्य बेहतर कर सुखायु प्राप्त कीजिये और उसका समाज के हितार्थ प्रयोग कर हितायु प्राप्त कीजिये। दीर्घकालिक प्रसन्नता प्राप्त करने का प्रमाण-आधारित रास्ता यही है।

विशेषेण यौवनवतः समर्थानुगतबलवीर्ययशः पौरुषपराक्रमस्यज्ञानविज्ञानेन्द्रियेन्द्रियार्थबलसमुदये वर्तमानस्य परमर्द्धिरुचिरविविधोपभोगस्य समृद्धसर्वारम्भस्य यथेष्टविचारिणः सुखमायुरुच्यते; असुखमतो विपर्ययेण; हितैषिणः पुनर्भूतानां परस्वादुपरतस्य सत्यवादिनः शमपरस्य परीक्ष्यकारिणोऽप्रमत्तस्य त्रिवर्गं परस्परेणानुपहतमुपसेवमानस्य पूजार्हसम्पूजकस्य ज्ञानविज्ञानोपशमशीलस्य वृद्धोपसेविनः सुनियतरागरोषेर्ष्यामदमानवेगस्य सततं विविधप्रदानपरस्य तपोज्ञानप्रशमनित्यस्याध्यात्मविदस्तत्परस्य लोकमिमं चामुंचावेक्षमाणस्य स्मृतिमतिमतो हितमायुरुच्यते; अहितमतो विपर्ययेण।। शारीरिक और मानसिक रोगों से पूरी तरह मुक्त, विशेष रूप से युवावस्था, हर कार्य करने का सामर्थ्य और उसके अनुरूप बल, वीर्य, यश, पराक्रम, ज्ञान, कौशल, इंद्रियों और इंद्रियों के विषयों के बल के समुदाय से युक्त, उत्तम धन-सम्पदा एवं विविध प्रकार के उपभोग में सक्षम, जो कार्य प्रारम्भ किये वे सभी कार्य पूर्ण हो गये हों और स्वयं की इच्छा अनुसार चलने-फिरने वाले व्यक्ति का जीवन सुखी जीवन होता है। इसके उलट दुःखी जीवन होता है। समकालीन शोध के अनुसार भी बढ़िया स्वास्थ्य, उत्तम शारीरिक-मानसिक सामर्थ्य, नियमित व्यायाम, प्राकृतिक स्थलों और बाग़-बगीचों में घूमना-फिरना, उत्तम मित्रों और परिवार के साथ समय बिताना, शिक्षा, कौशल, धन-संपत्ति अर्जित करना, कार्यों में सफलता तथा इच्छा अनुसार आने-जाने के लिये समय, सामर्थ्य और स्वतंत्रता बड़ी प्रसन्नता देते हैं। (देखें, प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द नेशनल अकैडमी ऑफ़ साइंसेज ऑफ़ यूएसए, 100:11176-11183, 2003; 107:22463-22468, 2010; 114:8523-8527, 2017; 116:1207-1212, 2019; 117:6463-6468, 2020)।

अपना कल्याण सुनिश्चित करते हुये, सभी प्राणियों के हितचिंतक, दूसरे का धन छीनने से बचने वाले, सत्य बोलने वाले, शांतिप्रिय, कार्यों को सोच विचार कर करने वाले, सावधान, अर्थ, धर्म, काम का सम्यक सेवन करने वाले, श्रेष्ठ व्यक्तियों का सम्मान करने वाले, ज्ञानशील, विज्ञानशील, शांतिशील, बड़े-बूढ़ों की सेवा करने वाले, राग, क्रोध, ईर्ष्या, मद, मान के वेगों पर उच्चकोटि का नियंत्रण रखने वाले, निरंतर दानशील, नित्य आत्म-नियंत्रित, ज्ञान, शांति, विनम्रता, आध्यात्म के जानकार और प्रयोग में लेने वाले, लोक-परलोक का विचार करने वाले, स्मरण-शक्ति और बुद्धि से युक्त व्यक्ति की आयु हितायु कही जाती है। समकालीन शोध में प्रोसोशियालिटी के विविध आयाम यही हैं। सुखायु स्वयं के लिये है और हितायु समाज के लिये है। शोध में भी यही स्थिति स्पष्ट होती है (उदाहरण के लिये देखें, एनुअल रिव्यू ऑफ़ पब्लिक हेल्थ, 40:339-359, 2019)।

आयुर्वेद उत्तम मित्रों का साथ करने की सलाह देता है तथा यह चेतावनी देता है कि अकेले खुश मत होइये, हितायु का ध्यान रखते हुये प्रसन्नता साझा कीजिये (च.सू.8.26) नैकः सुखी। अकेले सुखी न हों, सुख को समाज के साथ बांटिये। दीर्घकालिक अध्ययन स्पष्ट करते हैं कि हमारी खुशी उन सबकी खुशी पर निर्भर करती है जिनके साथ हम जुड़े हुये हैं (देखें, ब्रिटिश मेडिकल जर्नल, 338:23-26, 2009)।

हार्वर्डस्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट वर्ष 1938 में 724 प्रतिभागियों के साथ शुरू हुई थी। इसमें हार्वर्ड कॉलेज में 268 स्नातक छात्र और 456 14-वर्षीय लड़के, जो बोस्टन, मैसाचुसेट्स के कुछ सबसे वंचित इलाकों में पले-बढ़े थे। यह अध्ययन अभी भी चल रहा है। अभी तक के निष्कर्ष बताते हैं कि अन्य लोगों के साथ मधुर और गर्मजोशी के संबंध यह तय करते हैं कि आप कितने समय तक स्वस्थ रहेंगे और आपका दिमाग कब तक तेज रहेगा। दुनिया में सबसे लंबे समय तक प्रसन्नता पर चलने वाले अध्ययन का यही निष्कर्ष है। मधुर और गर्मजोशी वाले रिश्तों का तात्पर्य ऐसे रिश्ते से है जो सहायक महसूस कराता है। इसका मतलब भावनात्मक समर्थन, सलाह, वित्तीय सहायता व तार्किक समर्थन हो सकता है। ऐसा सभी रिश्ते सहायक कहे जा सकते हैं जो उन रिश्तों के विपरीत हैं जो आपको निचोड़ देते हैं, कटु होते हैं, या शोषणकारी होते हैं।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2018 छह प्रमुख कारकों की पहचान करती है जो समग्र कल्याण में योगदान करते हैं: आय, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा, सामाजिक समर्थन, स्वतंत्रता, विश्वास और उदारता। इन चरों को संस्कृतियों और भौगोलिक क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में खुशी और जीवन संतुष्टि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए दिखाया गया है। इन कारकों पर ध्यान केंद्रित करके, व्यक्ति और नीति निर्माता अधिक सहायक वातावरण बनाने के लिए काम कर सकते हैं जो कल्याण को बढ़ावा देता है और सभी के लिए सकारात्मक परिणामों को बढ़ावा देता है।

सुखायु और हितायु तभी प्राप्त हो सकती है जब आप समर्थ हों, अन्यथा जीवन डर-डर कर कटता है (च.सू.25.40): असमर्थता भयकराणांश्रेष्ठम्-भय उत्पन्न करने वाले कारकों में असमर्थता सबसे भारी है। आजीविका को समग्र रूप से सुदृढ़ करने के लिये वित्तीय पूँजी (धनैषणा, धन-संपत्ति, सोना-चांदी आदि), भौतिक पूँजी (धनैषणा, मकान, वाहन आदि), प्राकृतिक पूँजी (धनैषणा, खेत-खलिहान, जल, जमीन, बाग़-बगीचे आदि), सामजिक पूँजी (सामाजिकसद्वृत्त, आपसी रिश्ते, मेलजोल की प्रगाढ़ता, मित्रता आदि), मानव पूँजी (प्राणैषणा, शिक्षा, ज्ञान, कौशल, स्वास्थ्य आदि), और आध्यात्मिक पूँजी (परलोकैषणा, सद्वृत्त, आचार रसायन) को बढ़ाते रहने का निरंतर प्रयत्न आवश्यक है। इससे सामर्थ्य में बढ़ोत्तरी, असमर्थता में कमी और परिणामस्वरूप भय नष्ट होगा। भय को नष्ट करना मानसिक रोगों का सबसे बड़ा निदान-परिवर्जन है। भय में कमी आते ही आनंद में वृद्धि होने लगती है। शर्त यह है कि आजीविका सुदृढ़ करने में ऐसे साधनों का सहारा लेना चाहिये जो नियत कर्तव्यों के विपरीत नहीं हैं। साथ ही शांति और अध्ययन के लिये समर्पित होना चाहिये। इस प्रकार रहने से व्यक्ति को सुख की प्राप्ति होती है (च.सू.5.104): वृत्त्युपायान्निषेवेत ये स्युर्धर्माविरोधिनः। शममध्ययनं चैव सुखमेवं समश्नुते।।

यूडिमोनिया (सदाचार, कल्याण, प्रामाणिकता, उत्कृष्टता, सद्भावना, विकास) को आयुर्वेद की हितायु के समीप माना जा सकता है। हेडोनिया (व्यक्तिगत आराम, यश, ख्याति, सुख, भोग, समस्याओं की अनुपस्थिति) को आयुर्वेद की सुखायु के समीप माना जा सकता है। ग्रीक दर्शन में यूडिमोनिया सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानवीय गुण है, या कहें कि ग्लोबल कॉमन गुड है जो किसी अन्य कारण से नहीं बल्कि अपने आप में वांछनीय है। आयुर्वेद का मानना है कि सुखायु और हितायु दोनों का एक साथ होना सुखी जीवन के लिये आवश्यक है। शोधकर्ताओं का भी मानना है कि यूडिमोनिया और हेडोनिया दोनों ही अवधारणायें प्रसन्नता को भलीभांति समझने के लिये आवश्यक हैं (देखें, चरकसंहिता, सूत्रस्थान, अध्याय 30, सूत्र 24;साथ ही देखें, जर्नल ऑफ़ हैप्पीनेस स्टडीज, 15:1425-1456, 2014; जर्नल ऑफ़ पर्सनालिटी एंड सोशल साइकोलॉजी, 64:678-691, 1993)। भारतीय और ग्रीक दर्शन में इस विषय में समानता दृष्टिगोचर होती है।

हमने यहाँ स्पष्ट किया है कि प्रसन्नता अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु, बेहतर सामाजिक संबंधों, बेहतर कार्य प्रदर्शन,उच्च शिक्षा और रचनात्मकता पर निर्भर करती है। प्रसन्नता अनुसंधान का एक अत्यंत सक्रिय क्षेत्र है। पिछले 20वर्षों में विषय पर प्रकाशित लगभग 2,00,000 से अधिक शोधपत्र और पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। यह चर्चा जारी रहेगी क्योंकि ज्ञान व अज्ञान ही हमारा मार्ग या कुमार्ग तय करते हैं (च.सू.28.35): सुखार्थाः सर्वभूतानां मताः सर्वाः प्रवृत्तयः। ज्ञानाज्ञानविशेषात्तु मार्गामार्गप्रवृत्तयः।। सभी जीवित प्राणी सुख प्राप्त करने के लक्ष्य को पाने के लिये प्रयासरत रहते हैं, परन्तु वे अपनी जागरूकता या अज्ञानता के आधार पर सही या गलत मार्ग का अनुसरण करते हैं। अपने सुख दुःख के लिये हम स्वयं उत्तरदायी हैं(च.नि.7.22): आत्मानमेव मन्येत कर्तारं सुखदुःखयोः। तस्माच्छ्रेयस्करं मार्गं प्रतिपद्येत नो त्रसेत्।। अपने सुख-दुख के लियेस्वयं को जिम्मेदार मानना चाहिये। इसलिये व्यक्ति को निश्चिंत होकर कल्याणकारी मार्ग पर चलना चाहिये। सारांश में कहें तो बढ़िया शिक्षा, कौशल और नवाचार, आत्म-नियंत्रण, और कर्तव्यों का निर्वहन आनंददायी है। उत्तम जीवनशैली द्वारा स्वास्थ्य और सामर्थ्य बेहतर कर सुखायु प्राप्त कीजिये और उसका समाज के हितार्थ प्रयोग कर हितायु प्राप्त कीजिये। दीर्घकालिक प्रसन्नता प्राप्त करने का प्रमाण-आधारित रास्ता यही है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फॉरेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

जनजाति क्षेत्र के लोगों को स्वावलम्बी बनाकर मुख्यधारा में लाने के लिए सतत प्रयास जरूरी : मिश्र

जालोर/ माउंट आबू, (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शनिवार को राजभवन में कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर की ओर से अनुसूचित जनजाति उप परियोजना के अंतर्गत माउंट आबू क्षेत्र के आदिवासी किसानों को मिनी दाल मिल, उन्नत कुक्कुट नस्ल एवं स्टील बीज भंडारण टंकियों का वितरण किया। राज्यपाल मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि जल, जंगल और जमीन को बचाने के साथ-साथ देश की संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में आदिवासियों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि जनजाति क्षेत्र के लोगों को स्वावलंबी एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर मुख्यधारा में लाने के लिए सतत प्रयास जरूरी हैं।

माउंट आबू के राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र ने आदिवासी किसानों को मिनी दाल मिल, उन्नत कुक्कुट नस्ल एवं स्टील बीज भंडारण टंकियों का वितरण किया।

■ **'जल, जंगल और जमीन को बचाने के साथ देश की संस्कृति, परंपराओं के संरक्षण में आदिवासियों का महत्वपूर्ण योगदान'**

राज्यपाल ने आबूरोड़, पिंडवाडा एवं पाली में चयनित किसानों के सशक्तीकरण के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की परियोजना के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की। कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति प्रो. बी.आर. चौधरी ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा लाभार्थियों का चयन कर कृषि एवं पशुपालन से संबंधित तकनीकियों का प्रशिक्षण निरंतर प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों में स्वावलंबन एवं सशक्तीकरण से जुडी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महा विद्यालय जोधपुर के विशेषाधिकारी डॉ. बनवारी लाल ने जनजातीय क्षेत्र के लोगों के लिए विश्वविद्यालय की पहल पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंदराम जायसवाल सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी और नजाति क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

परिजनों ने अस्पताल के बाहर पेड़ के नीचे महिला का प्रसव कराया

करौली, (निसं)। मासलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर शनिवार को अस्पताल कार्मिकों की लापरवाही एवं मनमानी का मामला सामने आया है जहां एक प्रसूता का अस्पताल में प्रसव ना करने से अस्पताल के बाहर भीषण गर्मी में परिवार जनों को पेड़ के नीचे प्रसव कराना पड़ा।

■ **मासलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर अस्पताल कार्मिकों की लापरवाही का मामला सामने आया**

मामला केसपुरा गांव निवासी दलित मजदूर परिवार के बरगी समाज की प्रसूता काली पत्नी साहब सिंह का है जिसके परिवारजन प्रसव के लिए मासलपुर अस्पताल लेकर गए लेकिन कार्मिकों ने उन्हें भ्रष्टाचार के चलते प्रसव नहीं कराया। प्रसूता महिला के परिवार जन ने चिकित्सा कार्मिकों पर आरोप लगाया है कि अस्पताल में कार्मिकों ने प्रसूता का प्रसव कराने की बजाये धक्का देकर अस्पताल परिसर से बाहर करते हुए करौली अस्पताल के लिए रैफर कर दिया प्रसूता के परिजन महिला को प्रसव के लिए करौली लाने की तैयारी कर रहे थे। मगर प्रसव पीडा से पीडित को परिवार जन भीषण गर्मी के बीच एक पेड़ के नीचे ले गई जहां उन्हें प्रसव कराना पड़ा जहां प्रसूता ने बालिका को जन्म दिया उसके करीब 1 घंटे बाद अस्पताल कार्मिकों द्वारा प्रसूता नवजात बालिका को अस्पताल में भर्ती किया गया।

अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विजय सिंह मीणा का कहना है कि रक्त की कमी के कारण प्रसूता को करौली रैफर किया गया और प्रसूता के परिवार जनो का आरोप है उसकी जांच कि जायेगी दौषी पाये गये कार्मिकों के खिलाफ कार्यवाही करेंगे मामले की जानकारी मिलने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश चंद मीणा मासलपुर अस्पताल पहुंचे जहां कार्मिकों की लापरवाही मानते हुए एएनएम को एपीओ किया गया है।

प्रसूता महिला के परिवार जन ने मासलपुर स्वास्थ्य केन्द्र कि एएनएम पर बदसलूकी करने और प्रसव कराने कि एवज में राशि मांगने के आरोप लगाये हैं जिस पूरे मामले के सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हो रही है। जिन्हें देखकर लोग स्वास्थ्य विभाग के कार्मिको के खिलाफ तरह-तरह के पोस्ट डाल रहे हैं।

बेसहारा परिवार के लिये आर्थिक सहयोग जुटाया

राजगढ़, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के भाकरी में रामअवतार मीना की मौत के बाद गरीब परिवार की मदद के लिए सर्व समाज हेल्प टीम ने अभियान चलाकर दो लाख 15 हजार की सहायता राशि परिवार को प्रदान की।

सर्व समाज हेल्प टीम के सदस्य सुनिल भाकरी व संयोजक प्रकाश भाबला दुब्बी ने बताया कि रामअवतार बहुत ही गरीब परिवार से था जिसकी 30 मई को मृत्यु हो गई थी। इनकी गरीब स्थिति देखते हुए स्थानीय ग्राम वासियों ने आर्थिक सहायता के लिए एक मिशन रामअवतार भाकरी चलाया जिसमें लगभग 750 सहयोग कर्ताओं के सहयोग करने के बाद 215000 रुपए (दो लाख पन्द्रह हजार) की राशि एकत्रित हुई जिसको 10 जून को सक्रिय सदस्यों ने व स्थानीय ग्रामीणों ने रामअवतार की यादगार में बालाजी नर्सरी कोठीनारायणपूर के द्वारा भेंट किया। वहीं छायादार पेड़ व एक परिंदा लगाकर एवं रामअवतार की छायाप्रति पर पुष्प चढ़ाकर श्रृद्धांजलि अर्पित करके पीड़ित परिवार को राशि सौंप दी। जिसमें दो लाख की पीड़ित परिवार के नाम एफडी कराने का निर्णय लिया व शेष बची राशि 15000 रुपए को विधवा पत्नी गीतांजलि को घर खर्च के लिए सौंप दिये। मिशन में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सहयोग कर्ताओं को भाकरी ग्राम विकास समिति के सदस्यों ने व स्थानीय सरपंच सीमा सुरेंद्र इंदपूरा ने आभार प्रकट करके बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

सर्व समाज नवयुवक हेल्प टीम, के सदस्यों के साथ ग्रामीण रामचंद्र बाबूजी, भंबू राम पटेल, कमलेश सरपंच, प्यारेलाल, हरिकिशन, जयराम, जयराम, भोला, कुलदीप, लक्ष्मीनारायण पप्पू, कमलेश, बनवारी आदि उपस्थित थे।

23 वर्ष बाद गिरवसर के राजकीय विद्यालय को मिला रास्ता

बीदासर, (निसं)। गत 23 वर्ष से रास्ते की समस्या झेल रहे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गिरवरसर को शनिवार को आयोजित प्रशासन गांवों के संग अभियान शिविर में स्थाई रास्ते की सौगात मिली। गिरवरसर के इस राजकीय विद्यालय में आवागमन का कोई स्थाई कटाणी रास्ता नहीं था जिससे छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों को पिछले 23 वर्षों से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

शनिवार को ग्राम गिरवरसर में आयोजित महंगाई राहत शिविर एवं प्रशासन गांवों के संग अभियान शिविर में ग्रामवासियों ने स्थानीय विधायक मनोज मेघवाल व शिविर प्रभारी उपखण्ड अधिकारी रमेश कुमार मीणा के समक्ष विद्यालय के मार्ग की समस्या रखी जिस पर शिविर प्रभारी ने तुरंत वस्तुस्थिति की जानकारी ली और ग्रामवासियों से आठाह कर विद्यालय के आस-पड़ौस के खातेदारों से विद्यालय के लिए रास्ता हेतु भूमि दान देने की की बात कही। जिस पर ग्राम के रेवन्तराम गोदारा पुत्र बिशनाराम गोदारा ने तुरंत अपने खातेदारी भूमि में से साढ़े पांच मीटर चौड़ा व 150 मीटर लम्बाई की भूमि रास्ता हेतु दान कर दी। जिस पर शिविर प्रभारी ने निर्देशानुसार तहसीलदार बीदासर द्वारका प्रसाद शर्मा ने पटवारी व भू अभिलेख निरीक्षक को आदेश देकर दस्तावेज तैयार कर नामान्तरण आदेश किया।

भामाशाह रेवन्तराम गोदारा का उपखण्ड अधिकारी रमेश कुमार मीणा ने स्वागत किया।

■ **महंगाई राहत शिविर एवं प्रशासन गांवों के संग अभियान शिविर में ग्रामवासियों ने समस्या रखी थी**

■ **दानदाता रेवन्तराम गोदारा पुत्र बिशनाराम गोदारा ने अपनी खातेदारी में से भूमि रास्ता हेतु दान कर दी**

शिविर में उपखण्ड अधिकारी रमेश कुमार ने दानदाता का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें भूमि दान देने के लिए धन्यवाद दिया।

उपखण्ड अधिकारी मीणा ने कहा कि शिक्षा के लिए भूमि दान देने वाले भामाशाहों की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है, भामाशाह गोदारा से प्रेरणा लेकर प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को सार्वजनिक संस्थानों के लिए इस प्रकार के प्रेरणाप्रद कार्य करने चाहिए। इस अवसर पर विकास अधिकारी अभिषेक मीणा, नायक तहसीलदार सुभाष चन्द छींपा, अति. विकास अधिकारी हंसराज मीणा सहित ठाम के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राशिफल रविवार 11 जून, 2023

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2080, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र दिन 2:32 तक, प्रीतियोग दिन 10:10 तक, कौलव करण दिन 12:06 तक, चन्द्रमा प्रातः 8:46 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 2:32 से सूर्योदय तक है। आज बोहरा अष्टमी, पंचक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:14 से 9:01 तक, लाभ-अमृत 9:01 से 12:26 तक, शुभ 2:09 से 3:51 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:16

मेष
पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन
अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक कार्यों में आस्था बढ़ेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कन्या
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बढ़ेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। शुभ कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। ास्थ्य ठीक नहीं रहेगा।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 311 प्रभात अजमेर, रविवार 11 जून, 2023 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

भारत, पाकिस्तान और नेपाल के पश्चिमी हिमालय के भाग में रहने वाले लोग, नर ''चीर फैज़ेंट'' की विशिष्ट ''मेटिंग कॉल'' सुनकर समझ जाते हैं कि बसंत आ गया है। तथापि, मादा को आकर्षित करने वाली यही ''कॉल'' इनके लिए बड़ा खतरा भी है। इससे शिकारियों को पक्षियों की लोकेशन का पता चल जाता है। इसके अलावा कई अन्य खतरे भी हैं जिनसे नेपाल के पश्चिमी हिमालय में इन पक्षियों की आबादी पर फर्क पड़ा है। ऑर्निथोलॉजिकल साईन्स जर्नल में छपे शोध के प्रथम लेखक हरी बसनैंट ने कहा, ''हमने सूदूर वैस्टर्न नेपाल में लोगों को चीर फैज़ेंट का शिकार करते देखा है। ये चिड़ियाँ ऐसी जगह रहना पसंद करती हैं जहां लोग पशुओं के चारे के लिए घास व झाड़ियाँ लेकर आते हैं। पूर्व अध्ययनों में यही बताया गया था कि, ये पक्षी धोरपाटन हंटिंग रिज़र्व क्षेत्र में ही रहते हैं, इसलिए शोधकर्ताओं को पता ही नहीं था कि, इस क्षेत्र के बाहर इनकी आबादी कितनी है। शोध के सहलेखक लक्ष्मण पौंडयाल ने बताया, ''हमने इस क्षेत्र के लोगों में इस पक्षी के बारे में रेडियो के जरिए जागरुकता भी फैलाई और आग्रह किया कि, पक्षी दिखने पर जानकारी दें। तब लोगों ने हमें इसके बारे में बताया, जिसके आधार पर हमने इनकी गणना शुरु की।'' शोधकर्ताओं ने पाया कि, यहाँ इन पक्षियों को मुख्य खतरा ट्रैपिंग, शूटिंग, अण्डों की चोरी व जंगल की आग से है। इन खतरों की पुष्टि इन्टरनैशनल यूनियन फॉर द कंज़र्वेशन ऑफ नेचर (आई.यू.सी.एन.) और नैशनल फैज़ेंट कंज़र्वेशन एक्शन प्लान (2019-2023) ने भी की है। एक्शन प्लान के अनुसार चीर फैज़ेंट नेपाल में ना केवल ''एन्डेन्जर्ड'' के रुप में वर्गीकृत हैं, बल्कि ये देश के नौ सर्वाधिक संरक्षित पक्षियों में से एक हैं। शोध के अनुसार 1990 में माओवादी विद्रोह के बाद से नेपाल में ''गन कल्चर'' बढ़ा है जिसके कारण भी इन पक्षियों के लिए खतरा बढ़ गया है। संरक्षणविदों का कहना है कि लोग इन पक्षियों को प्रोटीन के स्रोत के रुप में देखते हैं और धारणा है कि, इनका मीट अस्थमा, बुखार व शरीर के दर्द में राहत देता है। चूंकि ये पक्षी ज्यादा उड़ नहीं पाते, जमीन पर ही चलते हैं, तो जंगल में आग लगने पर इनके लिए खतरा बहुत बढ़ जाता है। चीर फैज़ेंट को यह नाम ''चीड़ पाइन ट्री'' से मिला है जिसके नीचे ये घोंसले बनाते हैं।

काफी समानताएं हैं, मध्य प्रदेश व राजस्थान में, जहां तक ''रेवड़ियाँ'' बांटने का सवाल है

जैसा कि विदित ही है, कर्नाटक में, ''रेवड़ियों'' के वादों, विशेषकर वे ''रेवड़ियाँ'' जिनका लक्ष्य महिलाएं थीं, का काफी योगदान माना जाता है, कांग्रेस को जिताने में

- अब शिवराज सिंह चौहान भी हर महिला के खाते में, जो सरकार की ''लाड़ली बहन योजना'' के अंतर्गत आती है, एक हजार रूपये सीधे भेज रहे हैं।
- इस प्रकार किसान कल्याण योजना की दूसरी किश्त के रूप में हर किसान के अकाउन्ट में दो हजार रूपये भेजने की सोच रहे हैं।
- राजस्थान में कांग्रेस भी इस ''रेवड़ी संस्कृति'' में पीछे नहीं, 100 यूनिट ''फ्री'' बिजली देने का वादा कर चुकी है।
- राजस्थान की भांति मध्य प्रदेश में भी भाजपा में कई ''सशक्त'' उम्मीदवार हैं, मु.मंत्री पद के लियेः प्रदेशाध्यक्ष वी.डी. शर्मा, नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय व ज्योतिरादित्य सिंधिया।
- पर कांग्रेस में दो ही उम्मीदवार हैं, कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, जैसे राजस्थान में स्पर्धा, गहलोत व पायलट के बीच में है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीति में ''रेवड़ी संस्कृति'' का विरोध किया है लेकिन मध्य प्रदेश में जहां चुनाव होने वाले हैं, कांग्रेस और भाजपा मुफ्त रेवड़ियां बांटने की होड़ में है।

राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ''लाडली बहन योजना'' के तहत आने वाली महिलाओं के खातों में 1000 रूपये हस्तांतरित करवाए हैं और सी.एम. किसान कल्याण के तहत किसानों के खातों में द्विवार्षिक किश्त के रूप में 2000 रूपये जमा करवाने की तैयारी है।

कांग्रेस न 100 यूनिट मुफ्त बिजली और 200 यूनिट तक आधी दर लेने का दांव खेला हे। मुफ्त रेवड़ी बांटने की संस्कृति क्षेत्रीय पार्टियों की चुनावी रणनीति में हमेशा शामिल रही है और अब भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियां भी इसे अपना रहे हैं। हाल ही में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सड़क दुर्घटना में 70 लाख रू. का राजीनामा

पाली, 10 जून (नि.सं.)। राष्ट्रीय लोक अदालत ने मोटर दुर्घटना दावा में एक सड़क दुर्घटना में 70 लाख रू. का राजीनामा कराया है। मोटर दुर्घटना दावा में पाली जिले का यह अब तक का सबसे बड़ा राजीनामा है। मामला मारवाड़ जंक्शन के समीप धुंधला गांव के रहने वाले सरकारी कर्मचारी राधेश्याम वैष्णव का है। सरकारी कर्मचारी वैष्णव को 2020 में सिरोही के पास एक चौपहिया वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिसमें उनकी मृत्यु हो गई थी।

- वर्ष 2020 में पाली के धुंधला गांव के राधेश्याम वैष्णव को सिरोही में एक वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिसमें उसकी मौत हो गई थी, राष्ट्रीय लोक अदालत ने दोनों पक्षों के बीच राजीनामा करवाया है।

पीड़ित पक्ष की ओर से कोर्ट में दावा किया था। राष्ट्रीय लोक अदालत में दोनों पक्षों के बीच राजीनामा करवाया गया और शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत के न्यायाधीश मुकेश भार्गव ने कोर्ट में पीड़ित पक्ष को एच.डी.एफ.सी. बैंक का 70 लाख रुपए का चेक सौंपा। मृतक के दो पुत्रियां और एक पुत्र है। इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय ड्राइवरों के लिये भारी मार्केट है यूरोप में

यूरोप ही नहीं, जहां भी जनसंख्या में वृद्ध नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, वहां भारतीय युवाओ के लिए बड़ा मार्केट है

- उदाहरण के लिये पोलैण्ड को बस ड्राइवरों व हंगरी को ट्रक ड्राइवरों की भारी आवश्यकता है।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। ऐसे समय में जब विश्व की अधिकांश जनसंख्या उम्रदराज हो चुकी है या होने जा रही है, तो कई देशों को काम करने के लिए स्वस्थ युवक और युवतियों की आवश्यकता है, भले ही ऑटोमेशन सुविधाएं और आर्टीफिशियल इंटैलीजैंस (ए.आई.) लोकप्रिय क्यों न हो रहा हो। भारतीय ड्राइवरों के लिए अभी दो यूरोपीय देशों से मांग आ रही है जो ऐसे ड्राइवरों को मुफ्त हवाई टिकट और आसान वीज़ा दे रहे हैं जो भारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगर ट्रम्प दोषी पाये गये तो, वोट नहीं कर सकेंगे, पर राष्ट्रपति का चुनाव लड़ सकेंगे

और कई अजीबोगरीब तथ्य उजागर हो रहे हैं, अमेरिकी वोटर के सोच के बारे में

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। यह असामान्य और अप्रत्याशित है जो केवल डॉनल्ड ट्रम्प के अमेरिका में ही संभव है। एक पूर्व राष्ट्रपति ऐसे संघीय आरोपों का सामना कर रहा है, जिनसे उसका दुबारा राष्ट्रपति पद प्राप्त करना मुश्किल है। सरकार की गोपनीय सूचनाओं से छेड़छाड़ करने के आरोपों पर ट्रम्प के खिलाफ क्या होगा इसका अनुमान कोई भी लगा सकता है पर यह भी देखा जा रहा है कि अब ट्रम्प की छवि को ज्यादा धक्का नहीं लगा है।

- उदाहरण के लिये, दो-तीन मामलों में अधिकृत रूप से आरोपित होने के बावजूद ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी पर पकड़ बरकरार है तथा एक तिहाई वोटर अभी भी उनके कट्टर समर्थक हैं।
- अगर ट्रम्प व बाइडन दोनों पुनः चुनाव लड़ते हैं तो, अमेरिका के इतिहास में सबसे वृद्ध उम्मीदवार होंगे राष्ट्रपति पद के लिये।
- और मजे की बात यह भी है कि, दोनों काफी ''अलोकप्रिय'' हैं, हालांकि अलग-अलग कारणों से।

दरअसल मार्च में उन पर अभियोग आरंभ हुआ जिसमें उन्होंने कथित रूप से उन महिलाओं को गुप्त रूप से धन दिया था, जिनसे उनके संबंध थे। और एफ.बी.आई. ने उनके फ्लोरिडा स्थित घर की तलाशी ली गोपनीय दस्तावेजों से छेड़छाड़ के मामले में लेकिन इससे ट्रम्प नामांकन के लिए ज्यादा मजबूती से उभरे। इसके अलावा, ट्रम्प वर्षों से न्याय विभाग और एफ.बी.आई. की आलोचना करते रहे हैं उनका आधार मजबूत हुआ है। उनके बयान रिपब्लिकंस द्वारा दोहराए गए है। यह आंशिक रूप से तब हो रहा है जब इतने रिपब्लिकन निर्वाचित पदाधिकारियों ने अभियोग से निकलने के बाद आरामदायक महसूस किया है और न्याय विभाग पर हमला बोलते हुए यह भी झूठा आरोप लगाया है कि राष्ट्रपति बाइडन का भी इससे संबंध है।

परम्परावादी मीडिया की मदद से ट्रम्प एक समय सम्मानित रही संस्थाओं के प्रति अविश्वास का बीज बोने में सफल हुए हैं, जिससे देश ऐसी स्थिति में पहुंच गया है जहां उन पर महाभियोग चल सकता है मगर फिर भी वे आधार पर मजबूत पकड़ रख सकते हैं। यह बात नैशनल पब्लिक रेडियो की एक रिपोर्ट में कही गई है। निश्चित रूप से कई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अपराधिक मामले में बरी हुए दम्पती को मुआवजा क्यों नहीं'

जयपुर, 10 जून (का.सं.)। राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर पूछा है कि आपराधिक मुकदमे में कई माह जेल में रहने के बाद बरी हुए दंपत्ति को क्यों ना पचास-पचास लाख रुपए मुआवजे के तौर पर दिलाए जाए। जस्टिस आशुतोष कुमार की एकलपीठ ने उत्तम चंद जैन व

- राजस्थान हाई कोर्ट ने उत्तम चंद जैन व सुनील जैन की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को नोटिस भेजा। अपराधिक मामले में कई माह जेल में रहने के बाद जैन दम्पती हाल ही में बरी हुए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर सचिन की संभावित सियासी हलचल पर टिकी सबकी निगाह

सचिन पायलट द्वारा कोई बड़ी घोषणा करने की चर्चा है

दौसा, 10 जून (निसं)। प्रदेश की सियासी खींचतान के बीच आज 11 जून को सुबह 10 बजे भंडाना स्थित स्मारक पर पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के पिता, पूर्व केंद्रीय मंत्री, स्वर्गीय राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर होने वाले कार्यक्रम में संभावित राजनीतिक हलचल पर सियासी हलकों एवं आम लोगों की निगाहें टिकी हुई हैं।

- गुर्जर छात्रावास में स्व. राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण किया जाएगा।

कार्यक्रम के बाद सचिन पायलट सोमनाथ स्थित देवनारायण मंदिर गुर्जर छात्रावास पहुंचकर स्वर्गीय राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण भी करेंगे और जनसभा को भी संबोधित करेंगे। चर्चा का विषय यह है कि, क्या सचिन पायलट अपने पिता की पुण्यतिथि पर पायलट श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित करते हैं, लेकिन इस बार जो बड़ा कार्यक्रम होने जा रहा है उसका कोई विशेष महत्व है।

कहा जा रहा है कि, पायलट ने गहलोत सरकार के सामने जो मुद्दे उठाए थे उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है आयोजित कार्यक्रम के दौरान, किसी नई राजनीतिक हलचल से जुड़ी गतिविधि का ऐलान कर सकते हैं? वहीं चर्चा यह भी है कि, वैसे तो हर साल राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर सचिन तथा पायलट को लेकर गहलोत मंत्रिमंडल तथा गहलोत समर्थकों की प्रतिक्रिया से भी पायलट समर्थक काफी आहत हैं। लोगों का यह भी कहना है कि, रविवार को पायलट इस कार्यक्रम में कोई तगड़ा झटका दे सकते हैं जो आगे आ रहे विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का जायका बिगाड़ सकता है। ज्ञातव्य है कि, 1998 में पहली बार मुख्यमंत्री बनने के बाद से अशोक गहलोत लगातार तीन बार प्रदेश की सत्ता पर काबिज रहे और इस दौरान मुख्यमंत्री पद के लिए जो भी दावेदार सामने आए उनको राजनीतिक तौर पर दरकिनार करने में कामयाब रहे हैं। इस बार भी पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के समर्थकों ने पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की मांग जोर-शोर से उठआई तो मुख्यमंत्री पद के लिए समर्थकों द्वारा स्वर मुखर मु.मंत्री गहलोत ने फिर इसी पैंतरे का इस्तेमाल किया। लेकिन कहा जा रहा है कि, यह पैंतरा इस बार उल्टा पड़ चुका है और सचिन पायलट पर नहीं चल पा रहा है एवं इसके कारण संगठन व सत्ता का राजनीतिक बंटवारा होना तय है। बहरहाल रविवार को स्वर्गीय राजेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

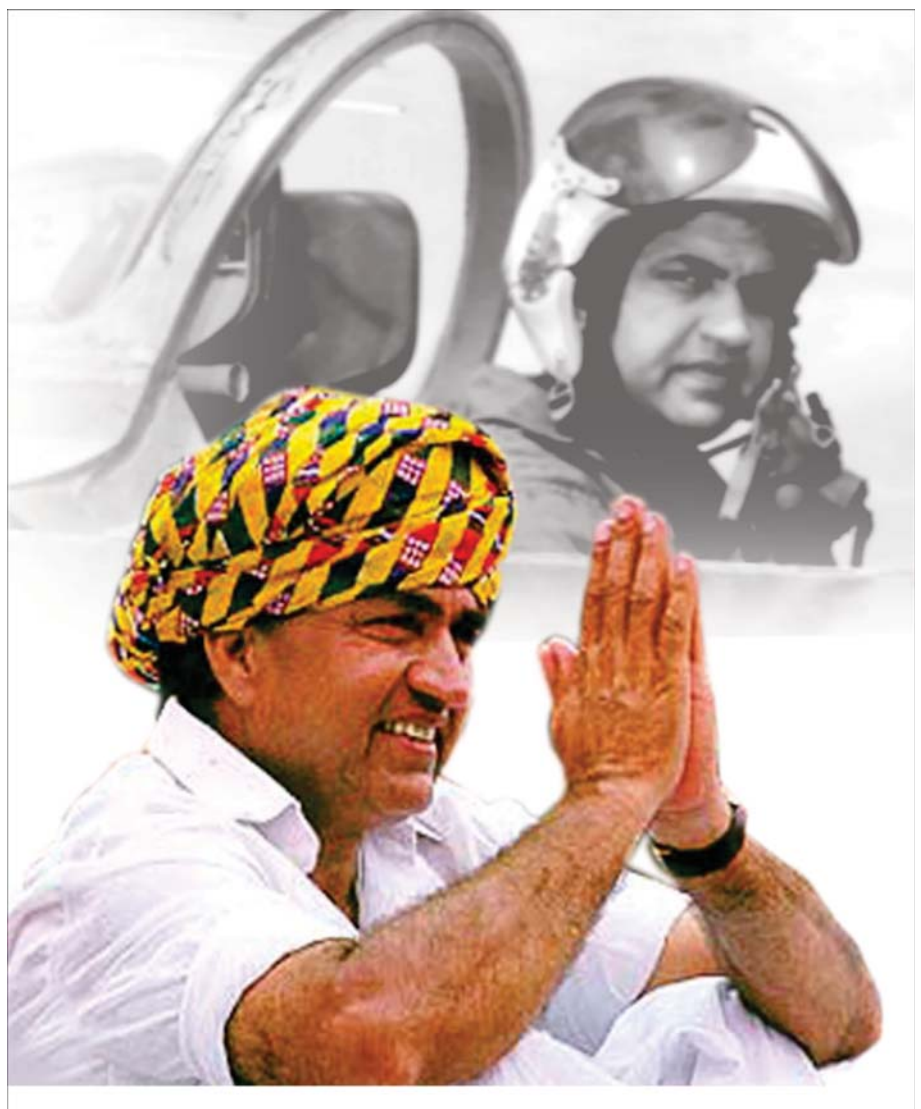

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री राजेश पायलट

10 फरवरी 1945 - 11 जून 2000

डीडवाना को जिला मुख्यालय बनाने की मांग को लेकर खुनखुना बंद रहा

स्थानीय व्यापार मंडलों ने दिया खुनखुना बंद को समर्थन, बाजार बंद पूर्णतया रहे

डीडवाना, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा नव घोषित डीडवाना-कुचामन जिले का जिला मुख्यालय डीडवाना को बनाने की मांग को लेकर संघर्ष समिति का आंदोलन लगातार जारी है। गत 8 जून को सफलतापूर्वक डीडवाना बंद के बाद अब डीडवाना के कस्बों को भी बंद रखकर जिला मुख्यालय की मांग उठाई जा रही है। इसी क्रम में डीडवाना उपखंड के पांच बड़े कस्बों को बंद रखने का ऐलान किया गया था। इसके तहत शनिवार को खुनखुना कस्बे पूर्णतया बंद रहा।

खुनखुना बंद को सभी ग्रामीण जनप्रतिनिधियों सहित खुनखुना व्यापार मंडलों और सामाजिक संगठनों ने समर्थन दिया है, जिससे खुनखुना के सारे बाजार बंद पूर्णतया रहे। बंद का इतना व्यापक असर रहा कि फल सब्जी के थड़ी और ठेले भी पूरी तरह से बंद रहे। इस मौके पर खुनखुना गांव में रैली निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई पुलिस थाना पहुंची, जहां जहां मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

ग्रामीण जनप्रतिनिधियों सहित खुनखुना व्यापार मंडलों और सामाजिक संगठनों ने ज्ञापन सौंपा।

- नव घोषित डीडवाना-कुचामन जिले का जिला मुख्यालय डीडवाना को बनाने की मांग
- आगामी दिनों में क्रमवार 4 कस्बों को भी रखा जाएगा बंद

ज्ञापन में संघर्ष समिति ने बताया कि डीडवाना जिले के सभी मापदंड और नियमों को पूरा करता है। 1996 से ही डीडवाना अतिरिक्त जिला मुख्यालय रहा है। डीडवाना में जिला स्तरीय सभी कार्यालय मौजूद है और अब केवल जिला कलेक्टर व एसपी के पद ही सृजित करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि डीडवाना को जिला बनाने की मांग 4 दशक पुरानी है। तत्कालीन परमेश्वरचंद, सिंधु कमेटी के अलावा राजस्व मंडल व तत्कालीन नागौर जिला कलेक्टर भी डीडवाना को जिला बनाने की अनुशंसा कर चुके हैं।

डीडवाना का प्रशासनिक ढांचा बेहद मजबूत है और सड़क व रेल मार्गों से भी डीडवाना के लिए आवागमन की सुविधा उपलब्ध है। डीडवाना की भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या, संसाधन व उपलब्ध कार्यालय जिला बनाने के उपयुक्त है। लेकिन मुख्यमंत्री ने डीडवाना-कुचामन के नाम से नए जिले की घोषणा की है, लेकिन जिला मुख्यालय जिला मुख्यालय की अब तक घोषणा नहीं की है। इसलिए डीडवाना में उपलब्ध कार्यालयों, संसाधनों, सुविधाओं और लोगों की मांग व भावनाओं को ध्यान में रखते हुए डीडवाना को ही जिला मुख्यालय बनाया जाना चाहिए।

बता दें कि डीडवाना को जिला बनाने मुख्यालय बनाने को लेकर चरणबद्ध आंदोलन चल रहा है। अब आगामी दिनों में क्रमवार 4 कस्बों को भी बंद रखा जाएगा। संघर्ष समिति द्वारा कल 11 जून छोटी खाटू तहसील बंद रखने का ऐलान किया गया है। इसके बाद 12 जून को तोषीणा, 13 जून को धनकोली और 14 जून को मौलासर कस्बों को बंद रखा जाएगा।

जोधपुर में डेढ़ करोड़ का डोडा-पोस्त पकड़ा, एक गिरफ्तार

ट्रक में कट्टों में 2801.05 किलोग्राम डोडा-पोस्त पाया गया

जोधपुर, (कासं)। पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए करीब डेढ़ करोड़ का डोडा-पोस्त पकड़ा है। इसके साथ ही एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। मामला जोधपुर ग्रामीण पुलिस का है।

जोधपुर ग्रामीण एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव के अनुसार मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसको लेकर पुलिस को सूचना मिली कि एक ट्रक में करोड़ों का डोडा-पोस्त जोधपुर लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस पर स्पेशल टीम बनाकर जयपुर-जोधपुर हाईवे 25 पर नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान एक 10 चक्का ट्रक आता दिखाई दिया। ट्रक को रोकने का इशारा किया तो चालक ट्रक को अंधेरे में भगाने लगा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ट्रक को रुकवाया और उसे अपने कब्जे में लेकर तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान ट्रक में कट्टों में डोडा पोस्त भर कर रखा गया था। वजन करने पर 2801.05 किलोग्राम पाया गया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इस पर आरोपी दिनेश विश्नोई पुत्र मगाराम बाबुल विश्नोई निवासी बिरामी थाना डांगियावास जोधपुर को थाने लाया गया। जहां एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में नशे की खेप लाने में सहयोगी महिपाल कावा पुत्र बाबूराम विश्नोई निवासी सरनाडा काकेलाव थाना डांगियावास का नाम बताया। इस पर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। पुलिस अब आरोपी से नशे की सप्लाई नेटवर्क को लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस अब यह पता करने में जुटी है कि नशे की इस खेप को कहां-कहां सप्लाई किया जाना था और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल है। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ जोधपुर ग्रामीण पुलिस लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई कर रही है।

- पुलिस अब आरोपी से नशे की सप्लाई नेटवर्क को लेकर पूछताछ कर रही है
- स्पेशल टीम बनाकर जयपुर-जोधपुर हाईवे 25 पर नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई की

जानकारी के अनुसार इन दिनों राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार प्रदेश में मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। लगातार हो रही कार्रवाई के चलते नशे की अवैध सप्लाई में भी कमी आने लगी है। इसके चलते डोडा पोस्त की कीमत भी 5 हजार प्रति किलो तक पहुंच गई है। बाजार में 5 हजार रुपए प्रति किलो के हिसाब से अवैध रूप से डोडा पोस्त बेची जाती है।

कार्रवाई में जिला विशेष टीम प्रभारी लाखाराम, एएसआई अमानाराम, चिमनाराम, प्रदीपकुमार, झूमरराम, मोहनराम, मदनमीणा, भवानी चौधरी व थाना कापरड़ा से थानाधिकारी जमील खां, अशोक, रामचन्द्र, संजयसिंह, प्रवीणकुमार, आजाद सांखी, पप्पुराम, पूनमसिंह, हरसुख, रामजीलाल, दिनेश, दिनेश मीणा, पांचाराम, प्रेमसुख, सुखाराम व विमलसिंह शामिल रहे।

बीकानेर में अधिकतम तापमान में कमी आई

बीकानेर, (निसं)। जून के पहले सप्ताह तक बीकानेर में तापमान चालीस डिग्री सेल्सियस से कम रहा लेकिन अब धीरे धीरे ग्राफ बढ़ता जा रहा है। पिछले दो दिन से बीकानेर में पारा 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा है। शुक्रवार के बजाय शनिवार को आंशिक कमी आई, जिसका कोई असर नहीं दिखा। न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी हो रही है यानी रात में गर्मी बढ़ रही है।

नोतपा के चलते बीकानेर में इस बार बारिश की झड़ी लगी रही, ऐसे में तापमान तीस से पैंतीस डिग्री सेल्सियस के आसपास ही रहा। नोतपा खत्म होने के बाद जरूर बीकानेर में पारा बढ़ा है। वैसे नोतपा भी आठ जून तक था लेकिन इसका असर दो जून तक ही रहना था। माना जाता है कि नोतपा में अगर बारिश हो जाती है तो मानसून अच्छा नहीं रहता।

इसे नोतपा का गलना भी कहते हैं। इस बार मानसून गला है, ऐसे में पारा भी कम रहा। तेज बारिश और तूफान के चलते बीकानेर में काफी नुकसान भी नोतपा की अवधि में ही हुआ। नोतपा के चलते आए तूफान से बीकानेर शहर के अलावा लूणकरनसर और खाजूवाला में भी काफी नुकसान हुआ। मौसम विभाग की मानें तो फिलहाल तापमान में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी रहेगा। आने वाले दिनों में पारा 41 से 45 और इससे भी ज्यादा हो सकता है। वहीं न्यूनतम तापमान भी बढ़कर 30 से ज्यादा हो सकता है।

सादुलशहर में तेज बरसात से पेड़ गिरे

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में बने एक लो प्रेशर एरिया ने इलाके का मौसम बदल दिया। सुबह से तेज धूप वाले शहरी इलाके में दोपहर होते-होते आंधी शुरू हो गई। सादुलशहर इलाके में तेज बरसात हुई। यहां गांव खैरूवाला में कई पेड़ गिरने की जानकारी मिली है।

श्रीगंगानगर जिला मुख्यालय पर सुबह दिन की शुरुआत में तेज धूप थी। दोपहर तक धूप के कारण पसीने छूटते रहे लेकिन दोपहर बाद अचानक मौसम में बदलाव आया और आंधी शुरू हो गई। मौसम में आए बदलाव के बावजूद मैक्सिमम टैंप्रेचर में केवल आधे डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। शनिवार शाम यह 42.5 डिग्री सेल्सियस बना हुआ था वहीं मिनिमम टैंप्रेचर भी 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वेदर एक्सपर्ट्स के अनुसार अगले चौबीस घंटे में गर्मी में तेजी आ सकती है।

अचानक मौसम में आया बदलाव श्रीगंगानगर में बने लो प्रेशर एरिया का परिणाम था। इलाके में तीस से चालीस किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से हवा चली। इस दौरान घरों और दुकानों में धूल-मिट्टी से लोग परेशान हो गए। अचानक आए अंधड़ के साथ ही बिजली भी गुल हो गई। जिले पदमपुर में भी तेज हवा चलने और मौसम में मामूली बदलाव आने की जानकारी मिली है।

सात जिलों में खुलेंगी खेल अकादमियां

सादुलपुर, (निसं)। राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश में विभिन्न खेल अकादमियां स्थापित कर रही हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 7 जिलों में खेल अकादमियों के लिए 14.25 करोड़ रुपए की वित्तीय मंजूरी दी है।

जिसमें राजगढ़ (चूरू) में एथलेक्टिस अकादमी, सीकर के कोलिडा एवं बांसवाडा में फुटबॉल अकादमी, बीकानेर में साईक्लिंग अकादमी, भीलवाड़ा में कुश्ती अकादमी तथा बाडमेर व सीकर में बास्केटबॉल अकादमी की स्थापना की जाएगी। इन अकादमियों का निर्माण 2-2 करोड रुपए की लागत से होगा। साथ ही, डीडवाना (नागौर) में कबड्डी अकादमी का निर्माण 25 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से स्थानीय स्तर पर ही युवाओं को खेलों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे।

संसदीय प्रतिनिधि मंडल में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करेंगे सांसद डांगी

सांसद डांगी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रति आभार जताया

जयपुर। दक्षिण अमेरिका के ब्राजील और उरुग्वे जाने वाले संसदीय प्रतिनिधि मंडल में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रतिनिधित्व राज्यसभा सांसद नीरज डांगी करेंगे। भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी के नेतृत्व में 11 से 19 जून तक यह प्रतिनिधि मंडल विदेश दौरे पर जा रहा है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस संसदीय प्रतिनिधि मंडल में अपने स्थान पर सांसद डांगी को नामित किया है। सांसद डांगी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रति आभार व्यक्त किया है कि उन्होंने इस महत्वपूर्ण विदेश दौरे में कांग्रेस के प्रतिनिधित्व के लिए उन्हें नामांकित किया। संसदीय कार्य मंत्री ने इस प्रतिनिधि मंडल में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करने के लिए पार्टी अध्यक्ष खड़गे को आमंत्रित किया था, जिस पर उन्होंने सांसद डांगी का नाम प्रस्तावित किया। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बदलते सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और भूमंडलीय हालातों से तालमेल बिठाने के लिए अपने देश के कार्यक्रमों, नीतियों व लक्ष्यों के निर्धारण हेतु संसदीय कार्य मंत्रालय संसद के दोनों सदनों के सदस्यों के दौरे आयोजित करता हैं।

राज्यसभा सांसद नीरज डांगी

- ब्राज़ील और उरुग्वे में 11 से 19 जून तक दौरे में रहेंगे मंत्री सहित 10 सांसद

संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी के सहित इस 10 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल में कांग्रेस से राज्यसभा सांसद नीरज डांगी एवं संजय सेठ, गोमती साई, इंदु बाला, दिनेश चंद्र अनावडिया, चिन्मयसामी अन्नादुरई, गुरूमूर्ति मड़ीला, हेमंत पाटील और चंद्राणी मुर्मू ब्राजील और उरूग्वे के इस 9 दिवसीय दौरे पर जा रहे हैं। ये सभी विभिन्न राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करेंगे। ब्राजील और उरुग्वे में यह संसदीय दल वहां के वर्तमान हालातों का अध्ययन करके एक रिपोर्ट तैयार करेगा, जो भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने एवं सामाजिक व्यवस्था को सुधारने में मदद करेगा।

युवक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ कस्बे के वार्ड 33 में नौ जून शाम को एक निर्माणाधीन अपने मकान में कार्य करते समय पैड घोडा जाली पर खडे एक व्यक्ति का बैलेंस बिगड कर कसी पर गिरने से लगी चोट के कारण दर्दनाक मौत हो गई। जिसकी रविवार को राजगढ़ थाने में मर्ग दर्ज करवाई गई है।

थानाधिकारी सुभाष चन्द्र पुलिस निरीक्षक पुलिस थाना राजगढ़ ने बताया कि नरेन्द्र वर्मा पुत्र सत्यनारायण कुम्हार निवासी वार्ड 33 कस्बा राजगढ़ जिला चूरू ने इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि उसके पिता सत्यनारायण पुत्र जीवनराम कुम्हार निवासी वार्ड 33 कस्बा राजगढ़ जिला चूरू के हैं तथा उनके मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। इसी दौरान पैड पर बैलेंस बिगडने से ऊंचाई से नीचे गिर गया।

सात बच्चों का पिता घर में फंदे से लटका मिला

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के दोवडा थाना क्षेत्र सवगढ गांव में शनिवार को सात बच्चे के पिता का शव उसके ही घर में फंदे लटका हुआ मिला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोवडा थाना क्षेत्र के सवगढ़ के झमरा फला गांव में सात बच्चों के पिता का शव फँदे लटका हुआ मिला। मृतक की पत्नी विमला एक दिन पूर्व ही पीहर गई थी। शनिवार सुबह विमला के पति नारायण पुत्र हालिया आहारी घर के अंदर रस्सी का फंदे से लटका मिला। सुबह मृतक की आठवीं में पढने वाली बेटी ने घर का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उसके पिता ने दरवाजा नहीं खोला। जिस पर बेटी इसकी जानकारी अपनी दादा हालिया को दी।

- मृतक की पत्नी एक दिन पूर्व ही पीहर गई थी

सूचना पर मौके ग्रामीणों सहित हालिया मौके पर पहुंची तथा घर का दरवाजे के अंदर देखा तो नारायण फंदे से लटका हुआ था। परिजनों इसकी सूचना दोवडा पुलिस को दी। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची तथा परिजनों को मौजूदगी में घर का दरवाजा खोल कर शव को फंदे से नीचे उतारकर शव जिला अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया।

बहू ने सास को मवेशियों सहित घर से बाहर निकाला

एडिशनल एसपी डॉ. प्रियंका पहुंची भींडर, घटनाक्रम का लिया जायजा

कानोड़, (निसं)। उदयपुर जिले के भींडर थाना क्षेत्र के बड़गांव में शनिवार को एक ऐसा मामला सामने आया जिसको लेकर आनन-फानन में एडिशनल एसपी को भींडर आना पड़ा। मामला बड़गांव का है जहां रहने वाली देऊ बाई जाट रात को पुलिस को सूचना देते हुए बताया कि उसकी बहू ने उसे मवेशियों सहित घर से बाहर निकाल दिया।

जिसके बाद डीओ प्रेमशंकर, महिला कांस्टेबल कली सहीत जाब्ते के साथ रात करीब 12 बजे परिवादी के घर पहुंचे तो बुजुर्ग महिला देऊ बाई घर के बाहर सड़क पर बैठी थी। वहीं बहू ने मकान का दरवाजा अंदर से बंद कर रखा था। पुलिस ने दरवाजा खुलवाने के काफी प्रयास किए लेकिन सफल नहीं हुए जिसके बहू निर्मला जाट के पिता शवराम जाट को फोन करने के बाद दरवाजा खुलवाया गया। पुलिस ने काफी देर समझाइश के प्रयास किए लेकिन युवती सास को घर के अंदर लेने के लिए तैयार नहीं थी। जिसके बाद मौके पर मौजूद पुलिस ने थाना अधिकारी को घटना को लेकर अवगत कराया।

थाना अधिकारी मुकेश खोईवाल रात करीब एक बजे घटनास्थल पर पहुंचे और युवती से समझाइश के प्रयास किए लेकिन युवती पुलिस से ही सवाल जवाब करने लगी जिसके बाद महिला पुलिसकर्मी के साथ युवती को पुलिस वाहन में बिठाकर उसके पिता के यहां छोड़ने के लिए पुलिस निकली। इस दौरान युवती पुलिस से पिता से बात करने वाले की बात कहती रही। लेकिन पुलिस ने कहा कि उसे उसके पिता के यहां उसे छोड़ा जा रहा है।

कुछ दूर जाने के बाद थानाअधिकारी ने युवती के पिता खेरोदा निवासी शवराम जाट से फोन पर बात की तो पिता ने बेटी को उसके घर छोड़ने के लिए मना कर दिया जिसके बाद पुलिस पुन: युवती को लेकर बड़गांव ससुराल पहुंची और उसे वही समझा कर छोड़ दिया। मामले की शिकायत के बाद ग्रामीण एडिशनल एसपी डॉ प्रियंका शनिवार प्रात: भींडर थाने पहुंचे और घटना की जानकारी लेते हुए थानाधिकारी को दिशा निर्देश दिए।

वीडीओ हनीट्रैप का शिकार

श्रीडूंगरगढ़, (निसं)। मोबाइल पर वीडियो कॉल के द्वारा अश्लील वीडीयो स्क्रीन रिकॉर्ड कर दो साल तक एक महिला ने एक ग्राम विकास अधिकारी से रुपए ऐंठे। ग्राम विकास अधिकारी ने हनीट्रैप से परेशान होकर थाने में महिला के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। ग्राम विकास अधिकारी 59 वर्षीय रोहिताश कुमार मेघवाल ने थाने में मामला दर्ज करवाते हुए पुलिस को बताया कि करीब दो साल पहले मेरे व्हाट्सअप पर एक वीडियो कॉल आई और कॉल रिसीव करते ही सामने एक औरत न्यूड हो गई। कुछ समझ आया तो मैंने तुरंत कॉल काट दी। फिर औरत का ऑडियो कॉल आया। उसने मुझे अश्लील वीडियो बना लेने व झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। सरकारी सेवा में होने के कारण मैं डर गया और इसी डर के कारण वीडियो डिलिट करने के लिए रुपए देने की हां भर ली। आरोपी महिला ने उसे होटल बुलाया व रुपए लिए। महिला बार बार रुपए मांगती है और डर के कारण मैंने 40 हजार रुपए उसे दे दिए। अब महिला ने फिर से 10 हजार रुपए और मांगे हैं।

एनीकट में डूबने से एक की मौत

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के मामडोली गांव के एक व्यक्ति की एनीकट में डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक रामअवतार नायक निवासी मामडोली गांव के पास बने एनीकट में नहाने गया था। इस दौरान उसका पैर फिसल गया जिससे वह गहरे पानी में डूब गया। उसे डूबता देख पास में नहा रहे बालकों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। बालकों की आवाज सुनकर आसपास के युवक दौड़कर आए एवं उसे एनीकट के बाहर निकालकर उसे बौंली चिकित्सालय ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बौंली चिकित्सालय में पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया मृतक के एक 10 वर्षीय पुत्र हुए एक 12 वर्षीय बालिका है वह मजदूरी करके अपने परिवार का पालन करता था उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

कृषि भूमि को आवासीय कॉलोनी बताकर बेचा

पी.सी.सी. मेंबर महेंद्र मील समेत 20 लोगों पर केस दर्ज

सूरतगढ़, (निसं)। सिटी पुलिस थाना मे कृषि भूमि को आवासीय कॉलोनी बताकर बेचान करने, धोखाधड़ी के आरोप में कांग्रेस के पूर्व विधायक गंगाजल मील के पुत्र और पीसीसी सदस्य महेंद्र मील समेत 20 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

थानाधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि इस संबंध में श्रीगंगानगर निवासी महेश कुमार पुत्र दुलीचंद ने परिवाद देते हुए बताया है कि आरोपीगण नारायण सिंह, रामस्वरूप, करणी सिंह, भादर खां, अब्दुल रजाक, जन्नत बेगम, रुखसाना, मंजू रहमान, जरीना, जमीला, महेश शर्मा आदि ने मिलकर सूरतगढ़ शहर में एनएच-62 के समीप हुंडई शोरूम के उत्तरी भाग में करीब 2.239 हेक्टेयर कृषि भूमि जो उसके स्वामित्व की है, उसे खातेदारी भूमि खसरा 315/2 की बताते हुए वहां गोल्डन सिटी के नाम से कॉलोनी काट दी। इसके बाद भू-उपयोग परिवर्तन के तहत कॉलोनी की तकनीकी स्वीकृति के लिए नगरपालिका के मार्फत नगर नियोजन विभाग के कार्यालय में भेजकर भूखंडों का बेचान शुरू कर दिया।

एफआईआर में बताया गया है कि वर्ष 2017 में प्रार्थी ने अपने भूखंड की संयुक्त रुप से पैमाइशी 3600 वर्ग फिट भूमि पर चारों ओर 3 फीट ऊंचे पिलर युक्त चारदीवारी का निर्माण करवाया था। इस दौरान रामचंद्र, भागीरथ, गजेंद्र सिंह, बशीर खान, प्रियंका पोटलिया और महेंद्र प्रताप मील ने वर्ष 2022 में स्वामित्व और कब्जा संपत्ति की पिल्लर युक्त चारदीवारी भूमि को खुर्द बुर्द कर दिया।

आरोपियों ने परिवादी की भूमि पर कब्जा कर प्लाट काटकर बेचान भी कर दिए। एसएचओ ने बताया कि एफआईआर के मुताबिक उक्त भूमि की खसरा संख्या बदलकर षड्यंत्र पूर्वक बेचान करने, राजस्व विभाग में गलत दस्तावेज देने और अनुसूचित वर्ग के व्यक्ति की भूमि को हड़पने, फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्लाट बेचान करने को लेकर विधायक पुत्र महेंद्र प्रताप मील समेत अन्य जनों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई है।

पत्नी के अफेयर से परेशान युवक ने किया सुसाइड

सुजानगढ़, (निसं)। वार्ड 40 में एक नवविवाहित युवक ने शादी के बाद अपनी पत्नी के दूसरे लड़के से चल रहे अफेयर से परेशान होकर आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सुसाइड से पहले मृतक ने अपना वीडियो बनाकर मौत का जिम्मेदार खुद की पत्नी को बताते हुए फांसी के लिए माता-पिता से माफी भी मांगी।

मृतक मनीष सांसी के पिता सुरेश सांसी ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि शुक्रवार को उनके पुत्र व पुत्रवधु के बीच आपस में झगड़ा हुआ। झगडे के बाद उसके बेटे की पत्नी राखी ने अपना दुपट्टा अपने पति को दे दिया और कहा कि मरने की धमकी क्या देता है, मर के दिखा। इसके कुछ देर बाद ही मेरे बेटे ने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुरेश सांसी ने थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि उसके बेटे मनीष (20) की शादी 16 अप्रैल 2023 को हनुमानगढ के सुरेशिया गांव निवासी राखी से हुई थी। शादी के 3 दिन बाद ही राखी अपने पीहर चली गई थी। राखी का शादी से पहले से ही फतेहपुर के उदरसरी गांव के विशाल नाम के लड़के के साथ अफेयर था, जो दिल्ली में रहता है। इसको लेकर पति-पत्नी में झगड़ा होता था। 5 जून को ही राखी अपने ससुराल आई थी और शुक्रवार को दोनों में झगड़ा हुआ था। इसके कुछ देर बाद ही मनीष ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया।

अस्पताल के बाहर परिजनों से समझाइश करते कोतवाली थाना पुलिस के एस.आई. दिलीप मीणा।

मृतक मनीष के पिता सुरेश ने बताया कि शादी के 3 दिन बाद ही उसकी बहू राखी पीहर चली गई थी। इसके बाद से ही राखी और उसका बॉयफ्रेंड मनीष को फोन पर परेशान करने लगे और धमकियां देने लगे। मेरे बेटे को उसकी सास, ससुर और सास की बहन के जमाई ने भी टॉर्चर कर रखा था। परेशान होकर मेरा बेटा अपने ससुराल गया और पत्नी के बॉयफ्रेंड का सोशल मीडिया पर लिखा मैसेज ससुराल वालों को दिखाया। इस दौरान मेरे बेटे के उसकी सास ने पैर पकड लिए और कहा कि मेरी बेटी अब घर बसा लेगी, आप इसे लेकर जाओ। पांच जून को ससुराल वालों ने मनीष के साथ राखी को भेजा। सुरेश सांसी ने बताया की उनकी पुत्रवधु ससुराल में आकर विधवा महिला के तरह रहती थी, ना तो वह गले में मंगलसूत्र पहनती थी ना ही मांग भरती थी। इस पर मृतक मनीष सांसी की सास ने कहा कि वह घर जाकर तरीके से रहेगी। घर आने के बाद वह अपने कमरे में नहीं गई। वह अपनी बहन के साथ ही सोती थी। उसने मंगलसूत्र नहीं पहना था और सिंदूर भी नहीं लगाया था। इस दौरान मनीष ने कई बार मंगलसूत्र पहनने और सिंदूर लगाने के लिए कहा था, लेकिन वो नहीं मानी।

मृतक के पिता सुरेश ने बताया कि पिछले 3 दिनों से मेरी बहू ने मेरे बेटे को परेशान कर रखा था। उसका प्रेमी भी बार-बार फोन करके धमका रहा था। इस बात को लेकर शुक्रवार को दोनों में झगड़ा भी हुआ। इस दौरान उसकी बहू अंदर गई और दुपट्टा फेंक कर बोली कि मरने की धमकी क्या देता है, मर कर दिखा। इसके कुछ देर बाद ही मेरे बेटे ने सुसाइड कर लिया।

मनीष के सुसाइड करने के बाद परिजनों ने उसकी पत्नी, सास, ससुर, जीजा सहित बॉयफ्रेंड पर परेशान कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया और शव का पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया। राजकीय बगडिया उप जिला अस्पताल में सांसी समाज के लोगों ने दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की और आरोपियों की गिरफ्तारी तक शव नहीं लेने पर अडे रहे। हालांकि बाद मे कोतवाली सीआई मुकुट बिहारी मीणा के जल्द कार्रवाई के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए व शव का पोस्टमार्टम करवाया। राष्ट्रीय भांतु सांसी समाज के युवा प्रदेश अध्यक्ष महेश सांसी ने संभागीय आयुक्त व आईजी को मेल पर ज्ञापन भेजकर दोषियों को जल्दी गिरफ्तार करवाने की मांग की है। सीआई मुकुट बिहारी ने कहा कि मृतक के पिता सुरेश सांसी की रिपोर्ट पर उन्होंने मृतक की पत्नी राखी, उसके बॉयफ्रेंड विशाल, बेटे की सास-ससुर, जीजा के खिलाफ सुसाइड के लिए उकसाने और टॉर्चर करने का मामला दर्ज कर लिया है।

सार-समाचार

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ का संजय नगर चौराहे पर स्वागत

बिजयनगर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग संजय नगर चौराहे पर राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ का राजपूत समाज के उपाध्यक्ष मसूदा प्रधान प्रतिनिधि शिखरानी सरपंच सुरेंद्र सिंह मीनू कंवर राठौड़ के नेतृत्व में स्वागत किया गया। प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंहराठौड़ ने नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़र का साफा बंधन माल्यार्पण कर एवं तलवार भेंट करके स्वागत किया ।भाजपा नेता कैलाश गुर्जर, सथाना पूर्व सरपंच अशोक साहू, जालिया सरपंच आदित्य खेतावत, बरल सरपंच प्रतिनिधि महावीर बंब, बेगलियावास सरपंच महेंद्र सिंह रावत, भाजपा नेता जगदेव सिंह राठौड़, पूर्व सिंगावल सरपंच सुरेंद्र सिंह राठौड़, दुर्गेश सिंह राठौड़, बरल द्वितीय उपसरपंच किशन चौधरी (काकाजी) ,वार्ड पंच सद्दीक मोहम्मद, पूर्व बरल द्वितीय , प्रतिनिधि अंशुल बंब, मनमोहन सिंह जालिया द्वितीय, दिनेश खेतावत, हरि राज सिंह भेरू खेड़ा, कालू सिंह रावत, सीताराम रावत, सत्येंद्र सिंह शक्तावत, सुशील साहू, देवी सिंह राठौड़ बाड़ी, राम प्रसाद माली, हीरालाल माली, नंद भंवर सिंह नगर, जोगेंद्र सिंह राठौड़, दिनेश दुर्गा पाल सिंह, सुरेंद्र सिंह भीमपुरा, धर्मी चंद माली, बलवीर सिंह सथाना, ब्रह्मा लाल जाट, हनुमान जाट, योगेश शर्मा, लक्ष्मण कंजर, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता ठाामीण उपस्थित रहे। विधानसभा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ के शनिवार को अल्प प्रवास के दौरान विजय नगर आगमन पर नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

हैलीकॉप्टर से अय्यूब दुल्हन लेने पहुंचा

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के टॉटोटी कस्बे में रहने वाले एक युवक ने अपने दादा का सपना पूरा करते हुये अय्यूब खान हेलीकॉप्टर में बैठक कर अपनी दुल्हन को लेने के लिये मसूदा विधानसभा के बाघमाल गांव पहुंचा, हैलीकॉप्टर व दुल्ह-दुल्हन को देखने के लिये ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई ओर कई युवा तो हेलीकॉप्टर के साथ सैल्फी लेने लगे। अजमेर जिले के भिनाय क्षेत्र स्थित टॉटोटी कस्बें में मस्जिद के पास रहने वाले युवक अय्यूब खान के दादा मुजफ्फर अली शाह का सपना था कि उसका पोता अय्यूब दुल्हन को हैलीकॉप्टर से लेने जाये, इस सपनें को अय्यूब के घर वालों ने साकार करते हुये किराये पर हैलीकॉप्टर मंगवाया, इसके लिये स्थानीय प्रशासन से स्वीकृति ली, जहां टॉटोटी कस्बें में अस्थाई हैलीपेड बनवाया गया, जिस पर हैलीकॉप्टर लैंड हुआ, जहां टांटोटी कस्बे में हैलीकॉप्टर व दुल्हे को देखने के लिये टॉटोटी व आस पास के गांवो की महिलाएं, बच्चे व पुरूष एक झलक पाने के लिये पहुंचे, जहां कुछ युवाओं ने सैल्फी भी लेने लगे। दुल्हा अयूब खान अपने दादा व नाना के साथ हैलीकॉप्टर में बैठकर दुल्हन अफसाना बानो को लेने के लिये अपने ससुराल मसूदा विधानसभा के गांव बाघमाल पहुंचें, जहां निकाह की रस्म अदा होने के बाद दुल्हा अयूब अपनी बैगम को लेकर टॉटोटी पहुंचा।

सड़क व नाली निर्माण कार्य शुरू

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने शनिवार को वार्ड 80 में सड़क व नाली निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। विधायक कोष से होने वाले निर्माण कार्य पर करीब 07 लाख रूपए की लागत आएगी। देवनानी ने बताया कि वार्ड 80 में मंजुला सिसोदिया वाली गली में लक्ष्मण चौधरी जी के मकान तक सी.सी. सडक व नाली निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया, जिस पर सात लाख रूपए की लागत आएगी। देवनानी ने बताया कि वार्डवासियों द्वारा काफी समय से सड़क व नाली निर्माण की मांग हो रही थी। वार्डवासियों की मांग को देखते हुऐ विधायक कोष से 07 लाख की अभिशंषा कर यहां पर सड़क व नाली निर्माण कार्य शुरू करवाया जा रहा है। देवनानी का वार्डवासियों द्वारा साफा व माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। निर्माण कार्य के शुभारम्भ के दौरान वार्डवासियों द्वारा वार्ड में अन्य दो स्थानों पर क्षतिग्रस्त सड़क का निर्माण करवाने का भी आग्रह किया। देवनानी ने शीघ्र ही उन क्षतिग्रस्त सड़कों के निर्माण का भी क्षेत्रवासियों को आश्वासन दिया। इस दौरान पार्षद धर्मेन्द्र चौहान, आशीष शर्मा, पण्डित दिव्यप्रकाश शर्मा, मंजुला सिसोदिया, औंकार सिंह, रतनसिंह, ज्योति पांडे, प्रदीप जांगीड़, जितेन्द्र मेघवाल, स्वरूप कंवर, कमला देवी, रामदेव चौधरी आदि मौजूद रहे।

भगवन्तपुरा में महंगाई राहत शिविर संपन्न

अराई, (निसं)। भगवन्तपुरा ग्राम पंचायत में दो दिवसीय प्रशासन गांव के संग अभियान एवं महंगाई राहत शिविर का समापन उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव की अध्यक्षता व सरपंच प्रतिनिधि रामसिंह चौधरी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। राजस्व विभाग की संपूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए एसडीएम देवीलाल यादव ने अवगत कराया कि महंगाई राहत शिविर अंतर्गत पंचायत भगवन्तपुरा में 330 गारंटी कार्ड वितरण किए गए। 73 नामांतरण 22 भूमि बटवारा, दो खातेदारी, दो सीमा ज्ञान ,22 जॉब कार्ड, 2 पदों का वितरण, 8 जाति प्रमाण पत्र, 17 मृत्यु प्रमाण पत्र चार जन्म प्रमाण पत्र वितरण किये गये। मौके पर विकास अधिकारी अराई पुरूषोत्तम पारीक ,सहायक विकास अधिकारी दौलत सिंह, नायब तहसीलदार बोराडा गणेश कच्छावा अराई नायब तहसीलदार नंदलाल, पटवारी हेमराज भीचर, विकास वैष्णव, ग्राम विकास अधिकारी जितेंद्र सैनी, रोहित शर्मा, सुरेश नवाद समाजसेवी, करण चौधरी, शंकरलाल, शिवनारायण चौधरी, गोपीलाल ,मोड सिंह, जीएसएस व्यवस्थापक गोविंद सिंह ,पारसमल मानदाता सिंह ,रामचंद्र चौधरी ,करणी सिंह,कालू भुवाल व नन्दन कुम्हार आदि मौजूद रहे।

कथा स्थल का शुद्धिकरण किया

अजमेर, (कासं)। शिशाल दिव्य धेनुमानस गौ कथा का आयोजन आगामी 14 से 18 जून तक बी के कौल नगर स्थित प्राचीन बालबीर हनुमान मंदिर हनुमान वाटिका में प्रतिदिन सांय 4 से 7 बजे तक किया जाएगा। प्रवक्ता राजेंद्र गांधी ने बताया कि आज गौमाता कथा के लिए गणेश जी को प्रथम निमंत्रण दिया गया। साथ ही भूमि पूजन कै गौ माता का पूजन किया। कथा का वाचन पूज्य नंदनी सारस्वत श्रीधाम वृंदावन के मुखारबिंद द्वारा किया जायेगा। कोर कमेटी सदस्य इंजनियर अशोक शर्मा, महेंद्र जैन मित्तल, भूपेश सांखला, सुभाष काबरा, राजेंद्र प्रसाद मित्तल, नितिन गुप्ता ने विधि विधान से पूजा पाठ कर भूमिपूजन किया। साथ ही गाय बछड़े की पूजा कर कथा की सफल आयोजन के लिए प्रार्थना की गई, पूरे पंडाल का शुद्धिकरण किया गया। तत्पश्चात पंडाल में टेंट लगाने का कार्य शुरू किया गया। इस अवसर पर अंजना मित्तल, सुषमा अग्रवाल, वीनू गुप्ता, ज्योत्सना जैन, आभा गांधी, नंदकिशोर गर्ग, कमल पंवार, दिनेश सांखला, बाबूलाल टांक, राजेंद्र पाटनी, जे सी ऐरन सहित अन्य मौजूद थे।

पट्टियां टूटी, गर्भवती महिला की मौत

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। पारोली थाना क्षेत्र के देवतलाई गांव में बीती रात मकान की पट्टियां टूटने से कमरे में सो रही गर्भवती महिला वार्ड पंच की मौत हो गई जबकि उसका पति गभीर रूप से घायल हो गया जिसे महात्मा गांधी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार कोटी पंचायत की वार्ड पंच लाड देवी गुर्जर (24) के मकान की छत टपक रही थी। मानसून के पूर्वानुमान को देखते हुए उसने छत की रिपेयरिंग काम करवाना था। इस काम के लिए छत पर करीबन एक ट्रॉली बजरी डाली गई थी। देर रात को दंपती छत पर बजरी डालकर कमरे में आकर सो गए, इसी दौरान 2 घंटे बाद ही अचानक मकान की चार पट्टियां धमाके के साथ टूट कर गिर गईं। इस दौरान कमरे में सो रही वार्ड पंच लाड देवी गुर्जर की पट्टियों के नीचे दबने से मौत हो गई। पति ई-मित्र संचालक उदय लाल गुर्जर गंभीर घायल हो गया। जिसे एमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शिवाक्षी ने घायलों की सुध ली

मसूदा, (निसं)। ब्यावर बिजयनगर रोड पर स्थित शिवपुरा घाटा में दो बाइकों की टक्कर में हुए घायलों को सहायक कलेक्टर शिवाक्षी खांडल ने खुद के वाहन से ब्यावर अमृत कौर चिकित्सालय में कराया भर्ती। शुक्रवार को सहायक कलेक्टर शिवाक्षी खांडल देवास ग्राम पंचायत में आयोजित महंगाई राहत एवं प्रशासन गांव के संग शिविर से लौटकर ब्यावर आ रही थी उसी दौरान ब्यावर बिजयनगर रोड पर स्थित शिवपुरा घाटा में दो बाइकों की आपस में टक्कर हो गई घायलों को देखते ही सहायक कलेक्टर शिवाक्षी खांडल ने अपना वाहन रोककर चालक खांडल की मदद से घायलों को ब्यावर अमृत कौर चिकित्सालय में भर्ती करवाया। चिकित्सालय में मौजूद कर्मचारियों को जब इस बात का पता चला कि घायलों को लेकर आने वाली शिवाक्षी खांडल सहायक कलेक्टर हैं तो तत्काल चिकित्सकों को कॉल कर बुलाया गया।

अजमेर में कांग्रेसियों के काम व हालात देखने पहुंचे पर्यवेक्षक

अजमेर, (कासं)। विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई है, इसके चलते शनिवार को अजमेर के बिखरे हुये कांग्रेसियों में जान फूंकने के लिये अजमेर सर्किट हाउस पहुंचे, जहां अलग अलग धड़ो में बंटे हुये कांग्रेसियों ने सिंह का मालाओं से स्वागत किया। इसके बाद सिंह ने कांग्रेस नेताओं से संगठनात्मक चर्चा करते हुये फीड बैक लिया।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई एक तरफ भाजपा तो वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस एक्शन मोड पर नजर आ रही है।

इसी के चलते अजमेर में अलग अलग धड़ों में बिखरी कांग्रेस में शनिवार को जान फूंकने ओर कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेने पहुंचे एआईसीसी के पर्यवेक्षक सुखविंदर सिंह के अजमेर सर्किट हाउस पहुंचने पर स्थानीय कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सिंह का मालाओं से स्वागत किया है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अजमेर प्रभारी सुखविंदर सरकारिया के अजमेर पधारने पर कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ताओं द्वारा द्रोपदी कोली कार्यकारी अध्यक्ष राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल के नेतृत्व में उनका अभिनंदन व स्वागत किया गया।

पर्यवेक्षक ने लिया फीडबैक

अजमेर जिले के कांग्रेस प्रर्यवेक्षक सुखविंदर सिंह सरकारिया राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री धर्मेंद्र राठौड़ एवं राजस्थान स्वैच्छिक क्षेत्र विकास केंद्र के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री मुमताज मसीह का आज अजमेर में कांग्रेसियों ने भव्य स्वागत किया एवं संगठन के बारे में फीड बैक दिया। कांग्रेस पर्यवेक्षक सरकारिया के अजमेर आगमन पर कांग्रेसियों ने 51 किलो की माला पहना कर साफा दुपट्टा एवं माला पहनाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया एवं संगठन के बारे में फीडबैक दिया।

कांग्रेस पर्यवेक्षक सरकारिया ने कांग्रेस के नेताओं से आगामी विधानसभा चुनाव में संगठनात्मक स्थिति एवं बूथ प्रबंधन पर विस्तृत बातचीत की। कांग्रेसियों ने बताया कि राजस्थान सरकार के महंगाई राहत कैम्प से आम जनता को महंगाई से राहत मिल रही है, यह कांग्रेस की सरकार रिपीट होने के लिये सकारात्मक संदेश है।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री जसराज जयपाल अजमेर डेयरी के सदर रामचंद्र चौधरी पूर्व जिला प्रमुख रामस्वरूप चौधरी, पूर्व विधायक डॉ श्रीगोपाल बाहेती, डॉ राजकुमार जयपाल, हाजी कय्यूम खान, मनोज चौहान, कैलाश झालीवाल, दामोदर शर्मा, शिव कुमार बंसल, नोरत गुर्जर, मुबारक चीता, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल, वाहिद मोहम्मद, पार्षद हेमंत, जोधा लक्ष्मी बुंदेल, विश्राम चौधरी, एडवोकेट सम्राट जूलियस क्लेमेन्ट सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसियों ने पर्यवेक्षक सरकारिया से मुलाकात कर फीडबैक दिया।

जवाजा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित

ब्यावर, (निसं) राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार जवाजा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गयी है।

कार्यकारिणी में अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह रावत,लोटियाना, संगठन महामंत्री श्रवण कुमार सेन,जालिया रूपावास, उपाध्यक्ष कमल सिंह,सुबजबुरा, उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह,बागलिया, गोपाल बागडी,सुरजपुरा, नजीर काठात,देलवाडा, सुरेन्द्र सिंह, कालीजर, मोहम्मद उस्मान कुरैशी,देवाता, मोहन सिंह,बडाखेडा, नारायण सिंह ढोसला, हनुमान सिंह (सोनियाना), प्रकाश नागर,टाडगढ । महासचिव जितेन्द्र सिंह,बराखन, सुनिल चौहान,बाडिया भाउ, कैलाश नागर,सुहावा, सुरेश कुमार आर्य,हीरा का बाडिया, नारायण सिंह (नरबदखेडा), अमीन काठात (फतेहगढ सल्ला). रहमत काठात,मालपुरा, ओम प्रकाश भाट,वाडिया नंगा, रघुनाथ गुर्जर भैरूखेडा, वजीर काठात,मालुपरा।

कोषाध्यक्ष कैलाश प्रजापति बायला, सचिव, प्रभुप्रसाद,जालिया, रमेश लाल, देवाता, कालुसिंह राणावत,राणेता भगवानपुरा, माणक चंद सामरिया बागलिया, कुशाल सिंह कडिवाल,जवाजा, ईब्राहिम काठात,खाडिया, प्रहलाद गुर्जर, सरगाव, अहताब कुरेशी,राजियावास, भंवर चौधरी देलवाडा, मदन मेघवाल, दुर्गावास। कार्यकारिणी सदस्य मदन सिंह बामनहेडा, किशन सिंह,सुरजपुरा मीना चौहान ,लौटियाना, नरेन्द्र सिंह, राजियावास, अजमाल काठात,बायला, शकुर काठात , माण्डावास, महेन्द्र सिंह, कोटडा, जसवंत कुमार,भूरियाखेडा, प्रदीप सिंह,तारागढ़, बाबूलाल बारबाढ, खरियाखेडा, सज्जन काठात, जालिया, सीमा गहलोत,बामनहेडा, शाहरुख खान,रूपनगर, सरदार सिंह, जवाजा, प्रियंका भाटी,तारागढ । प्रवक्ता अरूण शर्मा, जवाजा, विकास सिंह, लौटियाना। सोशल मिडिया प्रभारी कैलाश सिंह सोनियाना, गोपाल सिंह रावत,जोहरखेडा।

विशेष आमंत्रित सदस्य सभी पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, पूर्व विधायक, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष, सभी अग्रिम संगठनों के अध्यक्ष, विभिन्न प्रकोष्ठो के ब्लॉक अध्यक्ष होंगे।

स्वागत आज

बिजयनगर, (निसं)। प्रजापति समाज द्वारा धानेश्वर मे आयोजित होने वाले प्रजापति समाज के तृतीय नि:शुल्क विवाह सम्मेलन मे तुलसी विवाह के लिए पुष्कर से ठाकुर जी की बारात का स्वागत रविवार को बिजयनगर मे गाजे बाजे के साथ किया जायेगा। प्रजापति समाज के लालचंद प्रजापत ने बताया कि पुष्कर, अजमेर, नसीदाबाद, ब्यावर, मसूदा, भिनाय, बान्दनवाडा, सथाना, रामगढ, हियालिया, शिखरानी, नगर बडली, देवलिया, जालिया, बाडी व आसन से हजारो की संख्या मे प्रजापति समाज के बन्धु बिजयनगर में ठाकुर जी कि बारात स्वागत में पहुंचगे।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। गंगापुर थाना क्षेत्र से गुजर रहे उदयपुर हाइवे पर स्थित ओवरब्रिज पर बीती रात ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। उधर, शनिवार को मृतक आश्रितों को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग को लेकर गंगापुर अस्पताल की मोर्चरी पर प्रदर्शन किया। थाना प्रभारी ने पहुंच कर लोगों से समझाइश की।

गंगापुर थाना प्रभारी नरेंद्र जैन ने बताया कि गंगापुर निवासी ठेकेदार राजू (40) पुत्र मांगीलाल माली बीती रात बाइक पर गंगापुर से सहाड़ा की ओर जा रहा था। थाने के सामने ओवरब्रिज पर राजू को ट्रेलर ने चपेट में ले लिया। हादसे के बाद ट्रेलर को चालक ने नहीं रोका और बाइक को करीब 300 मीटर दूर तक घसीटता ले गया। हादसे में राजू की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भिजवा दिया। वहीं ट्रेलर को जब्त कर चालक-खलासी को डिटेन किया। शनिवार सुबह पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवाने मोर्चरी पहुंची। लोगों ने मृतक आश्रितों को मुआवजा दिलाने की मांग की।

युवक ने की आत्महत्या

अजमेर, (कासं)। अजमेर के क्लॉक टावर थाना इलाका स्थित मलूसर रोड, पहाड़गंज में रहने वाले एक युवक ने बीती रात खुद को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह जब घटना का पता चला तो परिजन ने पुलिस को सूचित किया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेकर जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के मुर्दाघर में सुरक्षित रखवा दिया है। परिजन का आरोप है कि मृतक युवक एक लड़की से प्यार करता था, जिसने उसे प्यार में धोखा दे दिया और शादी करने से इंकार कर दिया। इसके कारण उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। मिली जानकारी के अनुसार मस्रूरल रोड पहाड़गंज स्थित गोपी टेंट के पास रहने वाले रामदेव रेगर के 29 वर्षीय पुत्र दिलखुश ने बीती रात खुद को फांसी का फंदा लगा लिया और आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह करीब 7 बजे जब दिलखुश के कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिजन ने उसे जगाने का प्रयास किया। भजन बताया कि दिलखुश कमरे में छत पर लगे पंखे से साड़ी के फंदे पर लटका हुआ था, जिसकी सूचना तुरंत क्लॉक टावर थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक दिलखुश के शव को कब्जे में लेकर जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के मुर्दाघर में सुरक्षित रखवा दिया है।

मृतक के भाई मनोज ने शनिवार सुबह बताया कि उसका भाई दिलखुश एक लड़की से प्रेम करता था। इस प्रेम प्रसंग में दिलखुश उस लड़की को करीब 7 से 8 लाख रुपए दे चुका है। इसके अलावा दिलखुश की सोने की चैन और सोने की अंगूठी भी उस लड़की के पास है। मनोज का कहना है कि उसके भाई की प्रेमिका ने उसी से शादी करने से इंकार कर दिया, जिसके बाद शुक्रवार रात को उसके भाई ने अपने कमरे में जाकर खुद को फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले की सच्चाई का पता तो जांच में चल सकेगा।

जे.एल.एन. मेडिकल कॉलेज में खेलकूद

अजमेर, (कासं)। जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में आयोजित किए जा रहे सांस्कृतिक खेलकूद सप्ताह के दौरान 9 जून 2023 को हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने जीत दर्ज करा कर वहां मौजूद सभी का दिल जीत लिया। मेडिकल कॉलेज छात्रसंघ के मुख्य सलाहकार डॉक्टर आरके माथुर ने बताया कि 9 जून को हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज कराने वालों में टीम रॉकेट बैच 20 से दिव्या कुमारी, बैच 22 से नकुल तथा बैच 20 से डी न्द्रा ने बाजी मारी। इसी प्रकार बैडमिंटन में देवाशीष ,पूजा चंदक, आदित्य पारीक और ऑटो ने बाजी मारी। इसी प्रकार टग ऑफ वार विनर्स मेजेल एंड टाइटंस डॉक्टर ने बाजी मारी।

सेरेब्रल पाल्सी बीमारी से पीड़ित यश सोनी को 12वीं में 97 प्रतिशत अंक

नागौर, (नि.सं.)। शारदा बाल निकेतन विद्यालय का विद्यार्थी छात्र यश सोनी लंबे समय से सेरेब्रल पाल्सी सीपी नामक गंभीर बीमारी से पीड़ित है मगर इसके बावजूद इस विद्यार्थी ने कड़ी मेहनत व जुनून के साथ 12वीं कला की परीक्षा दी और 97 प्रतिशत अंक लाकर पूरे शहर में टॉपर का दर्जा पाया।

द्वादशी कला वर्ग में 97 प्रतिशत अंक लाकर यश ने विद्यालय और परिवार जनों का नाम रोशन किया है। बचपन से ही शारीरिक गति के नियंत्रण को क्षतिग्रस्त करने वाली भयंकर बीमारी सेरेब्रल पाल्सी सीपी से पीड़ित होने के बाद भी भैया यश सोनी ने परिवार को गौरवान्वित करने वाले अंक प्राप्त किए। इस उपलब्धि पर शारदा बाल निकेतन विद्यालय के समस्त स्टाफ ने यश सोनी के घर जाकर उसका सम्मान किया वह परिजनों को बधाई देते हुए यश सोनी के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के पूर्व अध्यक्ष संपतमल लुणावत, संस्थान के जिला अध्यक्ष हरिराम धारणिया, व्यवस्थापक हनुमान सिंह देवड़ा, शैक्षिक प्रमुख रामप्रसाद कासनिया, प्रबंध समिति के अशोक वैष्णव, संघ के कार्यकर्ता सुशील गोदारा, अरुण दहिया, जंवरीलाल जांगिड़, मोना व्यास, कक्षा आचार्य राजेंद्र सारस्वत, राजेंद्र गौड़, श्रवण सेन, लक्ष्मीनारायण, विनोद सिसोदिया, अरविंद बोड़ा सहित कई जने मौजूद थे।

अतिक्रमण हटाया

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर क्षेत्र में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी बनवारी लाल मीणा के आदेशानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। पुष्कर नगर पालिका के आर आई सौरभ गर्ग एवं लोकेंद्र सिंह एवम जमादार एवं पालिका के कई कर्मचारी मौजूद रहे। आज सुबह 10:00 बजे से लेकर शाम तक जेसीबी यहां कार्य कर रही थी। इसमें कई मकान तोड़े गए पुष्कर नगरपालिका के ईओ बनवारी लाल मीणा ने बताया कि लोगों को कई बार बता दिया था।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी (भूमि अवाप्ति) एवं उपखण्ड अधिकारी, डीडवाना

क्रमांक /भूमि अवाप्ति / 2023/172) दिनांक: 9/6/2023

मुआवजा निर्धारण के संबंध में सार्वजनिक सूचना
(अन्तर्गत धारा 21 व 22, उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 एवं प्रचलित नियम)

लोक प्रयोजन के लिए मौलासर-तोषीणा स्टेट हाईवे संख्या-87 किमी 14/0 से 41/650 भाग में सड़क विकसित किए जाने हेतु तहसील डीडवाना जिला नागौर के ग्राम मौलासर एव तोषिणा में कुल 27.91 हेक्टेयर भूमि अधिगृहित की गई है। भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का अधिनियम संख्या 30) की धारा 19(1) एवं नियम 21 (1) के अन्तर्गत राजस्थान के राजपत्र में अधिसूचना संख्या/भू-अवाप्ति / 2022 / 289 दिनांक 24 मई 2023 में प्रकाशित की है। राजपत्र में वर्णितानुसार दैनिक समाचार पत्र संध्या ज्योति एवं ढोला मारू में दिनांक 24 मई 2023 को किया जा चुका है। भूमि से हितबद्ध समस्त व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 (तीस) दिवस की अवधि में प्रतिकर निर्धारण से पूर्व अवाप्त की गई भूमि में अपने दावे, यदि कोई हो तो लिखित अभिकथन करते हुए स्वयं या विधिवेत्ता के मार्फत अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

(जीतू कुलहरी) प्राधिकृत अधिकारी (भूमि अवाप्ति)
एवं उपखण्ड अधिकारी, डीडवाना

वादपदों के स्थिरीकरण के लिये प्रतिवादी को सम्मन

(आदेश 5 नियम 1 व 5 व्यवहार प्रक्रिया संहिता)
[व्यवहार प्रक्रिया संहिता के परिशिष्ट 'ख' का फार्म सं. 1]

न्यायालय श्रीमान् उपखण्ड अधिकारी महोदय किशनगढ़
श्री गौरव सेठी वादी बनाम श्री कमल किशोर वगै. प्रतिवादी

व्यवहार वाद संख्यांक 148/21 सन् 200

3. कंचन कंवर पत्नी रणजीत सिंह राजपूत नि. पाटन हाउस नया शहर किशनगढ़ (अजमेर), 9 नीरू कंवर पुत्री भवानी सिंह राजपूत नि. पाटन हाउस नया शहर किशनगढ़ (अजमेर), 16. रविन्द्र सिंह पुत्र भवानी सिंह राजपूत नि. पाटन हाउस नया शहर किशनगढ़ (अजमेर), 21. सुमन कंवर पुत्री रणजीत सिंह राजपूत नि. पाटन हाउस नया शहर किशनगढ़ (अजमेर), चूंकि वादी ने आपके विरूद्ध नकल संलग्न है के लिए एक वाद संस्थित किया है अतः आपको एतद् द्वारा आहूत किया जाता है कि आप या तो स्वयं या ऐसे अधिवक्ता जो कि सम्यकरूपेश अनुदिष्ट हों व वाद सम्बन्धी सब सारवान प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हो या जिनके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो कि ऐसे सब प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हो, के द्वारा दिनांक 10.7.23 के दिवस को सुबह 10.00 बजे दावे का उत्तर देने हेतु इस न्यायालय में उपस्थित हों और आगे आपको एतद् द्वारा यह भी निर्देश दिया जाता है कि उस दिन आप अपने प्रतिरक्षा का लिखित कथन पेश करें और उसी दिन वे सब प्रलेख जो आपके अधिपत्य या अधिकार में हों व जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा व प्रतिपादन या प्रतिदावा आधारित करते हों भी प्रस्तुत करें तथा जहां आदेश किसी अन्य प्रलेख की आपके आधिपत्य या अधिकार में हो या न हो, गर अभी प्रतिरक्षा या प्रतिवादन या प्रतिदावा के समर्थन में साक्ष्य के रूप में भरोसा रखते हों, उन प्रलेखों की अपने लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। सूचित रहे कि पूर्णवर्णित दिवस को आपके द्वारा अपनी उपस्थिति में व्यक्ति क्रम होने पर कथित वाद आपकी अनुपस्थिति में सुना व अवधारित किया जावेगा। आज दिनांक 7.6.23 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

न्यायाधीश

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नियमन/23-24/331 दिनांक: 9/6/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है श्रीमति लीला देवी पत्नि श्री जगदीश निवासी शाहपुरा मौहल्ला, बोहरा पार्क के पास, ब्यावर ने राजस्व ग्राम फतेहपूरिया दोयम के खसरा नम्बर 308 में स्थित भवानी कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 357 क्षेत्रफल 109.25 वर्गगज भूमि के आवासीय पट्टा विलेख प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदन पत्र के साथ सलंग्न इकरारनामा बेचान में भूखण्ड संख्या का अंकन नही है जिसके सम्बन्ध में प्रार्थी द्वारा 100/- के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पर शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत कतई बेचान इकरारनामा एवं शपथ के आधार पर भूखण्ड संख्या 357 क्षेत्रफल 109.25 वर्गगज के पट्टा विलेख बाबत् किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस के भीतर-भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

सीमायें (साईट प्लॉन के अनुसार)

पूर्व- प्लॉट नं. 358 | पश्चिम - प्लॉट नं. 356
उत्तर - प्लॉट नं. 363, 364, 365 | दक्षिण - रोड 15 फीट

आयुक्त नगर परिषद, ब्यावर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नियमन/23-24/335 दिनांक: 9/6/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है श्री आनन्द सिंह चौहान पुत्र श्री राम सिंह चौहान निवासी भवानी कॉलोनी, फतेहपुरिया दोयम, ब्यावर ने राजस्व ग्राम फतेहपुरिया दोयम के खसरा नम्बर 269 में स्थित भवानी कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 409 क्षेत्रफल 246.36 वर्गगज भूमि के आवासीय पट्टा विलेख प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदन पत्र के साथ सलंग्न कतई बेचान इकरारनामा में भूखण्ड संख्या का अंकन नही है जिसके सम्बन्ध में प्रार्थी द्वारा 100/- के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पर शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत कतई बेचान इकरारनामा एवं शपथ के आधार पर भूखण्ड संख्या 409 क्षेत्रफल 246.36 वर्गगज के पट्टा विलेख बाबत् किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस के भीतर-भीतर अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

सीमायें (साईट प्लॉन के अनुसार)

पूर्व- प्लॉट नं. 410 | पश्चिम - प्लॉट नं. 408
उत्तर - अन्य की भूमि | दक्षिण - रोड 20 फीट

आयुक्त नगर परिषद, ब्यावर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नियमन/23-24/329 दिनांक: 9/6/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है श्री किशोर सामरिया पुत्र श्री जगदीश सामरिया निवासी धाग चितार रोड, राठी जी की बगीची, ब्यावर ने राजस्व ग्राम फतेहपुरिया दायम खसरा नम्बर 588 मिन में स्थित कुमावत कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 02 का पश्चिमी भाग (02) क्षेत्रफल 46.69 वर्गगज भूमि के आवासीय पट्टा विलेख प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदन पत्र के साथ सलंग्न कतई बेचान करार पत्र नोटेरीशुदा है। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत नोटेरीशुदा कतई बेचान करार पत्र के आधार पर भूखण्ड संख्या 02 का पश्चिमी भाग (02 ए) क्षेत्रफलं 46.69 वर्गगज के पट्टा विलेख बाबत् किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस के भीतर-भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

सीमायें (साईट प्लॉन के अनुसार)

पूर्व- प्लॉट नं. 02 का पूर्वी भाग (02 बी) | पश्चिम - रोड 18 फीट
उत्तर - रोड 14 फीट | दक्षिण - अन्य की भूमि

आयुक्त नगर परिषद, ब्यावर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नियमन/23-24/334 दिनांक: 9/6/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है श्री राम सिंह चौहान पुत्र श्री नवल सिंह निवासी राधाकृष्णा कॉलोनी, आईओसी कॉलोनी के पीछे, फतेहपूरिया दोयम, ब्यावर ने राजस्व ग्राम फतेहपूरिया दोयम के खसरा नम्बर 269 में स्थित भवानी कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 408 क्षेत्रफल 405.00 वर्गगज भूमि के आवासीय पट्टा विलेख प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदन पत्र के साथ सलंग्न कतई बेचान इकरार पत्र में भूखण्ड संख्या का अंकन नही है जिसके सम्बन्ध में प्रार्थी द्वारा 100/- के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पर शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत कतई बेचान इकरार पत्र एवं शपथ के आधार पर भूखण्ड संख्या 408 क्षेत्रफल 405.00 वर्गगज के पट्टा विलेख बाबत् किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस के भीतर-भीतर अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

सीमायें (साईट प्लॉन के अनुसार)

पूर्व- प्लॉट नं. 409 | पश्चिम - प्लॉट नं. 407
उत्तर - अन्य की भूमि | दक्षिण - रोड 20 फीट

आयुक्त नगर परिषद, ब्यावर

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, जहाजपुर जिला-भीलवाड़ा

E-mail Id- mbjahazpur@gmail.com Phone No: 01485-294101

क्रमांक/नपाज/PSKS/2023-24/358 दिनांक 09/06/2023

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्तियों ने प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021-22 के अन्तर्गत 69ए एक्ट व स्टेट ग्रान्ट के तहत पट्टे हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। इस बाबत मालिकाना हक सम्बन्धित किसी को कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 7 दिवस में मय दस्तावेज के पालिका में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। मियाद गुजरने के पश्चात् किसी की भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जायेगी तथा आवेदक के पक्ष में पट्टा जारी किये जाने की कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	स्थान
1	श्रीमती तुलसी देवी मीणा पत्नि नारायण लाल	वार्ड न0 25
2	श्री हिरालाल पिता जमना लाल	वार्ड न0 15
3	श्री उदयलाल मीणा पिता भेरूलाल मीणा	वार्ड न0 02
4	श्रीमति शांति देवी पत्नि हंसराल मीणा	वार्ड न0 23
5	श्री रामेश्वरी देवी पत्नि टीकमचन्द मोची	वार्ड न0 19
6	श्री कल्याण मल मीणा पिता देवी लाल मीणा	वार्ड न0 21
7	श्री छीतर लाल मीणा पिता उगमाराम मीणा	वार्ड न0 24
8	श्री मिश्रीलाल पिता खाना लाल कीर	वार्ड न0 03
9	श्री राकेश कुमार मीणा पिता मीरा देवी मीणा	वार्ड न0 22
10	श्री अशोक कुमार पिता भुरा लाल	वार्ड न0 03
11	श्री हरी लाल मीणा पिता जगदीश मीणा	वार्ड न0 23
12	श्रीमति मौसमी देवी मीणा पत्नि शैतान सिंह मीणा	वार्ड न0 23
13	श्री राजेन्द्र कुमार स्वर्णकार पिता भागीरथ स्वर्णकार	वार्ड न0 04
14	श्री प्रवीण कुमार मीणा पिता जगन्नाथ मीणा	वार्ड न0 23
15	श्री महावीर प्रसाद माली पिता अमर चन्द माली	वार्ड न0 02
16	श्रीमती इन्द्रा देवी पत्नि महावीर नप्रसाद माली	वार्ड न0 02
17	श्रीमती सुनिता गोस्वामी पत्नि महेश गोस्वामी	वार्ड न0 05
18	श्री हेमराज मीणा पिता राम नाथ मीणा	वार्ड न0 25
19	श्री नेहरू लाल मीणा पिता हरदेव मीणा	वार्ड न0 23
20	श्रीमति मोनिका कुमारी मीणा पत्नि अनुराग कुमार मीणा	वार्ड न0 25
21	श्री किशन लाल मीणा पिता कुम्बा राम मीणा	वार्ड न0 24
22	श्री रति राम मीणा पिता भंवर लाल मीणा	वार्ड न0 25
23	श्री बाबुलाल मीणा पिता जगदेव मीणा	वार्ड न0 25
24	अब्दुल रहमान पिता रमजान खां	वार्ड न0 17
25	श्री सुवा लाल मीणा पिता नन्द लाल मीणा	वार्ड न0 23
26	श्रीमति लाली देवी मीणा पत्नि राधेश्याम मीणा	वार्ड न0 24
27	श्री हरलाल मीणा पिता मांगी लाल मीणा	वार्ड न0 25
28	श्री शंकर लाल मीणा पिता भैरू लाल मीणा	वार्ड न0 25
29	श्री अमित कुमार बारेठ पिता सीताराम बारेठ	वार्ड न0 15
30	श्री राधा किशन झंवर पिता जगदीश प्रसाद झंवर	वार्ड न0 16
31	श्री रामगोपाल मीणा पिता रामलाल मीणा	वार्ड न0 21

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका जहाजपुर

गैंगस्टर के नाम से पच्चीस लाख की फिरौती मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

आरोपी ने मोटरसाईकिल की किश्त से बचने के लिए फिरौती मांगी थी

जालोर, (कासं)। जालोर कोतवाली पुलिस ने शनिवार को गैंगस्टर के नाम से फिरौती मांगने के आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने मोटरसाईकिल की किश्त से बचने के लिए गैगस्टर के नाम से 25 लाख की फिरौती मांगी।

जालोर पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन के आदेशानुसार जिले में बदमाशन एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए 10 जून को किसी अन्य गैंगस्टर के नाम से 25 लाख की फिरौती मांगने वाले आरोपी गिरीश कुमार (20) पुत्र मफाराम सुथार निवासी जोडवास पुलिस थाना रानीवाडा जिला जालोर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि प्यारेलाल पुत्र रामकरण जाति जाट निवासी चुरू द्वारा एक लिखित रिपोर्ट पेश की कि प्यारेलाल को अज्ञात नम्बर से वाट्सएप कॉल व मैसेज किसी गैंगस्टर के नाम से परिवार सहित जान से मारने की धमकी देकर 25 लाख रूपये की मांग की जा रही है। जिस पर पुलिस थाना कोतवाली में प्रकरण 7 जून को दर्ज कर टीम गठित की गई, पुलिस टीम द्वारा आरोपी को ट्रेस आउट कर आरोपी गिरीश कुमार को गिरफतार किया गया।

जालोर कोतवाली पुलिस ने गैंगस्टर के नाम से फिरौती मांगने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

उक्त प्रकरण में प्यारेलाल फाईनेंस कम्पनी में काम करता है, आरोपी गिरीश कुमार द्वारा अपने मोटरसाईकिल का फाईनेंस करवाया हुआ होने से प्यारेलाल लॉनिंग की किश्त हेतु गिरीश कुमार को कॉल करता था। फोन कॉल पर बहस होने से आरोपी गिरीश कुमार द्वारा अज्ञात नम्बर से प्यारेलाल को अन्य गैंगस्टर के नाम से धमकी दी गई एवं 25 लाख रूपये की फिरौती मांगी गई। आरोपी गिरीश कुमार का कोई भी आपराधिक रेकर्ड पुलिस थाना रानीवाड़ा में नहीं पाया गया है। आरोपी द्वारा मात्र सिर्फ मोटरसाईकिल की किश्त से बचने के लिए यह कृत्य किया गया। फिर भी इस सम्बंध में गहनता से अनुसंधान जारी है।

- आरोपी गिरीश कुमार का कोई भी आपराधिक रेकार्ड पुलिस थाना रानीवाड़ा में नहीं पाया गया

स्टोन क्रेशर पर ट्रांसफार्मर फटने से कर्मचारी की मौत

इस संबंध में मृतक कर्मचारी के भाई ने सरूण्ड थाने में मामला दर्ज करवाया

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत कल्याणपुरा कला स्थित चोटिया क्रेशर जोन में एक क्रेशर संचालक की लापरवाही से कर्मचारी की मौत हो जाने का मामला सामने आया है। इस सम्बंध में मृतक कर्मचारी के भाई द्वारा सरूण्ड थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। यही नहीं मृतक के परिजनों समेत ग्रामीण कार्यवाही की मांग को लेकर थाना परिसर में धरने पर भी बैठ गये।

- मृतक के परिजनों समेत ग्रामीण कार्यवाही की मांग को लेकर थाना परिसर में धरने पर बैठे

मृतक के परिजनों समेत ग्रामीण कार्यवाही की मांग को धरने पर बैठे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कल्याणपुरा कला निवासी महेश चंद पुत्र सुगनाराम ने मामला दर्ज करवाया कि उसका छोटा भाई माडूराम कई वर्षों से चोटिया स्थित श्री बांके बिहारी स्टोन क्रेशर पर कार्य करता था। कई बार उसने अपने परिजनों व दोस्तों को बताया था कि क्रेशर मालिक को बार-बार स्टार्ट (ट्रांसफार्मर) को रिपेयर करवाये लेकिन मालिक कोई ध्यान नहीं देता है। शुक्रवार 09 जून को प्रार्थी का भाई रोजमर्रा की तरह उक्त क्रेशर पर अपनी ड्युटी पर गया था। इसी दौरान दोपहर करीब 12 बजे स्टार्ट (ट्रांसफार्मर) बहुत तेज धमाके के साथ फट गया। जिसमें परिवादी के भाई माडूराम की मौत हो गई।

परिजनों ने आरोप लगाया कि स्टोन क्रेशर संचालक नारेहड़ा निवासी श्रीधर पुत्र सीताराम ने घटना को छुपाने के लिए मृतक माडूराम के शव को गाडी में डालकर जयपुर स्थित राजकीय एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में छुड़वा दिया। वहां से अपने प्रतिनिधि द्वारा सूचना दिलवाई कि तुम्हारे भाई की मृत्यु हो गई है शव को यहां से ले जाओ। रिपोर्ट में बताया कि उक्त घटना स्टोन क्रेशर मालिक की लापरवाही के कारण घटित हुई है। घटना की सूचना पर पीडित परिजनों समेत ग्रामीण सरूण्ड थाने पर पहुंच गये। पुलिस ने इस सम्बंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं मृतक माडूराम के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

फर्जकारी करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। वनपाल सीधी भर्ती परीक्षा 2020 के दौरान फर्जकारी करने के मथुरा गेट थाना पुलिस ने मामले में आरोपी चंदर को गिरफ्तार किया।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि 13 नवम्बर 2022 को एक रिपोर्ट धीरेन्द्र हाल प्रधानाचार्य आरडी गर्ल्स कॉलेज थाना मथुरागेट ने इस आशय की पेश की कि वनपाल सीधी भर्ती परीक्षा 2020 में आरडी गर्ल्स कॉलेज के कमरा नम्बर 17 में वीक्षक ड्यूटी के दौरान परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र सहित आईडी चैक की तो मैंने पाया कि रोल नम्बर 1886385 नाम निर्भानसिंह पुत्र विजेन्द्रसिंह पर शक हुआ। इसलिए उक्त रोल नम्बर धारक लड़के को पेपर देते समय चैक किया जाता रहा, पेपर पूर्ण होने से पहले मैंने अपने साथी वीक्षक के साथ इस लड़के (निर्भानसिंह) के बारे में अपने परीक्षा इंचार्ज को बताया इस लड़के को मेरे केन्द्र के परीक्षा इंचार्ज मय अपनी टीम (आंतरिक फ्लाइंग) के रूप में साथ कमरे में आये सभी ने निर्भानसिंह को बार-बार पूछा तो वह नाम व पते अलग-अलग बताने लगा।

बाद में वह घबरा गया और बोला कि मैं निर्भानसिंह की जगह पर रूपये लेकर पेपर देने आया हूं। लडका प्रेमप्रकाश पुत्र जगमालाराम उर्फ जालाराम ने मूल परीक्षार्थी की जगह अपने आप को निर्भानसिंह बनाकर राज्य सरकार के साथ धोखाधड़ी करके पेपर देने का अपराध किया है। इस सम्बन्ध में थाना मथुरागेट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान के दौरान फर्जी परीक्षार्थी प्रेमप्रकाश पुत्र जगमालाराम उर्फ जालाराम उम्र 34 साल निवासी जंभोजी का मंदिर कबूली थाना धौरीमन्ना बाडमेर को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय बृजेष ज्योति उपाध्याय द्वारा दौराने अनुंसधान इस मामले में चन्दर पुत्र दामोदर गुर्जर निवासी गुठावर थाना वैर को गिरफ्तार किया गया है।

धोखे से नकदी हड़पी, मामला दर्ज

उदयपुर, (निसं)। शहर के सविना थाना पुलिस ने पीडिता की रिपोर्ट पर उसके भाई व साथियों के खिलाफ धोखे से मकान बेच कर नकदी हड़पने का मामला दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसर पीड़ित सीमा पत्नी विनोद चपलोत निवासी मोतीनगर रोड़ नं.4 गोरोगांव मोतीनगर मुम्बई निवासी ने अपने भाई पारस जैन तथा दरौलतसिंह एवं घनश्यामसिंह राणावात के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि आरोपी ने मेरी सहमति के बिना दौलतसिंह को मकान बेचने का एग्रीमेंट उससे कर पच्चीस लाख रूपये वसूल लिए। जबकि मैने आरोपी अपने भाई को किसी प्रकार का पावर नहीं दिया था। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

डंपर व बाइक की भिड़ंत में बाइक सवार मजदूर की मौत

बाइक सवार अन्य दोनों साथी सड़क के एक तरफ गिरने से बच गए

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना क्षेत्र में शनिवार को तेज रफ्तार डंपर व मोटर साइकिल के बीच जोरदार भिडंत हो गई। दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक मजदूर की मौत हो गई। अस्पताल लाने पर मृतक की सांसें चल रही थी लेकिन कागजी कार्रवाई के दौरान लेटलतीफी के चलते हैं युवक ने दम तोड़ दिया। नयापुरा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नयापुरा थाना पुलिस के अनुसार पवन पुत्र रामस्वरूप निवासी लाडपुरा कोटा आरसीसी का काम करता था। जो शनिवार को अपने साथी बोरखेड़ा निवासी मुकेश महावर व लाडपुरा निवासी कमल महावर के साथ आरसीसी की साइट पर लाडपुरा से बोरखेड़ा की ओर जाने के लिए घर से निकला था। साइट पर जाते समय नयापुरा रतन कचोरी के पास सड़क पर खड़े एक कार चालक ने अचानक कार का दरवाजा खोला जिससे पीछे आ रहा डम्पर ने मोटर साइकिल को टक्कर मार दी। दुर्घटना में मोटर साइकिल सवार पवन महावर के ऊपर से डम्पर का टायर होकर निकल गया। वही मोटर साइकिल पर सवार अन्य दोनों साथी मुकेश महावर व कमल महावर दोनों सड़क के एक तरफ गिरने से बाल-बाल बच गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पर्ची बनाने के लिए भटकते रहे परिचित और मजदूर ने तोड़ दिया। दम-सड़क दुर्घटना में घायल हुए पवन महावर को जब एमबीएस अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया तो पुराने अस्पताल के ओपीडी में संचालित 125 नंबर में इमरजेंसी कक्ष में बैठे चिकित्सकों ने घायल का उपचार करने की जगह पहले उन्हें पर्ची बनाकर लाने को कहा। घायल के साथी सकते में होने के कारण समझ नहीं पाए कि उन्हें क्या करना है। जिस समय पवन को अस्पताल लाया गया था उसकी सांसें चल रही थी लेकिन अस्पताल लाने के कुछ देर बाद ही उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस ने मृतक के शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

विद्युत पोल टूटने से किसान की मौत

कोटा, (निसं)। झालावाड़ जिले के खानपुर थाना क्षेत्र में विद्युत पोल पर काम करते समय अचानक पोल टूटकर गिरने से एक 48 वर्षीय व्यक्ति ओमप्रकाश धाकड़ पुत्र प्रभुलाल निवासी कंवरपुरा तहसील खानपुर जिला झालावाड़ की मौत हो गई।

मृतक ओमप्रकाश का कोटा के निजी अस्पताल 10 दिन से उपचार में चल रहा था। जहां उसने देर रात को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। शनिवार सुबह मृतक के पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाई गई।खानपुर थाना पुलिस के अनुसार 31 मई 2023 को ओमप्रकाश शमशान के पास काम करते समय अचानक पोल गिरने से घायल हो गया था। जिसको कोटा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। देर रात को उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

पंजाब निर्मित शराब जब्त

मंडार, (निसं)। मंडार पुलिस ने अवैध शराब पर कार्रवाई करते हुए आइशर ट्रक से पंजाब निर्मित अवैध शराब की 192 पेटी जब्त की। वहीं आरोपी प्रकाश सिंह पुत्र रतन लाल जाट बाखासर बाडमेर को ट्रक सहित हिरासत में लिया। नवनियुक्त जिला पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में कार्यवाही की गई। मंडार थानाधिकारी भंवरलाल मय टीम ने कार्यवाही की। पंजाब निर्मित शराब की कीमत लाखों रुपए में बताई जा रही है।

घर में घुसकर जीजा-साले पर हमला किया

पुराने विवाद को लेकर पड़ौस में रहने वाले लोगों ने किया हमला

कोटा, (निसं)। शहर में चाकूबाजी मारपीट की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार रात को पुराने विवाद को लेकर पड़ौस में रहने वाले लोगों ने घर में घुसकर जीजा साले पर सरिये व चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। वारदात में गंभीर घायल 30 वर्षीय युवक को उपचार के लिए एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि जीजा को मामूली चोटे होने पर प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

पुलिस के अनुसार युवक धनपाल उर्फ सूरज पुत्र दुर्गा लाल निवासी काली बस्ती सकतपुरा कुन्हाड़ी अपनी बहन से मिलने जैन मंदिर सकतपुरा कुन्हाड़ी गया हुआ था। जहां दोनों जीजा-साला खाना खा रहे थे। इसी दौरान पड़ौस में रहने वाला बाबूलाल उसका लड़का राहुल और रोहित सरिए व चाकू लेकर घर में घुसे और खाना खा रहे जीजा साले पर हमला कर दिया। वारदात के बाद दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां धनपाल के पैर व सिर में गंभीर चोट होने से उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं जीजा अमरजीत पुत्र नाथूलाल निवासी जैन मंदिर जगतपुरा कुन्हाड़ी के चेहरे व सीने पर चाकू की मामूली खरोच आने से प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई।

पीड़ित अमर जीत ने बताया कि 2 माह पहले पड़ौस में रहने वाले बाबूलाल के भाई चेलाराम के परिवार की महिलाएं घूमने गई थी। इसी दौरान वह भी अपने परिवार के साथ घूमने गया था। आते समय दोनों परिवार के सदस्य साथ में आए इसे देखकर चेलाराम को सकता कि हम उनकी लड़की को लेकर गए हैं जबकि ऐसा नहीं था। इसी बात की रंजिश को लेकर उन्होंने वारदात को अंजाम दिया है।

गुजरात की दवा कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज

अमानत में खयानत का मामला दर्ज हुआ

उदयपुर, (निसं)। हाथीपोल थाना पुलिस ने गुजरात की दवा कंपनी के खिलाफ पीडित द्वारा दी गई अमानत राशी हड़पने का मामला दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित हजारेश्वर कॉलोनी निवासी हेमन्त जैन पुत्र नाथूलाल जैन ने श्रीनिवास प्रसाद के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। कि वर्ष 2019 में गुजरात लेबोरेट्रीज लित्र से आवश्यक दवाएं मगवाई थी। कुछ समय बाद 2 लाख 50 रूपये का माल रिटर्न कर दिया था। उक्त नकदी बकाया होकर अमामनत के तौर पर आरोपी के पास रखी थी। जिसकी मांग करने पर आरोपी ने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देकर आनाकानी करना शुरू कर दिया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

पुष्कर पालिका अध्यक्ष निलंबित

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर नगर पालिका में काबिज भाजपाई बोर्ड के अध्यक्ष कमल पाठक पर लगे पद दुरूपयोग सहित विभिन्न आरोपों को सही मानते हुए राज्य सरकार ने राजस्थान नगर पालिका अधिनियमन 2009 की धारा-39-(6) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पाठक को पालिकाध्यक्ष पद से तुरंत प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किये हैं। स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक हृदेश कुमार ने शुक्रवार को जारी किये अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि नेता प्रतिपक्ष ओमप्रकाश डोल्या की पालिकाध्यक्ष पाठक के विरूद्ध शिकायत पर स्थानीय निकाय विभाग के क्षेत्रीय उप निदेशक एवं जांच कमेटी ने जांच की थी।

पुष्कर के कांग्रेसी पार्षद ओम प्रकाश डोल्या ने करीब दो साल पहले पालिकाध्यक्ष कमल पाठक के विरूद्ध पद पर रहते हुए पालिका की जमीन पर अतिक्रमण कर दुकानें बनाने, स्वयं की होटल का नक्शा पास करने, अपने रिश्तेदारों व मित्रों को अवैध कब्जे कराने सहित पद दुरूपयोग के गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री व स्वायत्त शासन मंत्री से शिकायत की। इस पर जांच कमेटी ने पालिकाध्यक्ष पाठक एवं तत्कालीन अधिशाषी अधिकारी शशिकांत शर्मा को दोषी ठहराया।

दो पक्षों के बीच मारपीट

उदयपुर, (निसं)। आपसी रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में दो जने घायल हो गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 जून रात में ढिकली रोड़ पर मोतीलाल पुत्र उदयलाल गमेती निवासी ढीकली बोरामगरा तथा भंवरसिंह पुत्र दौला निवासी कोलर खड़ा व साथियों के बीच मारपीट हो गई। इस दौरान हुई चाकूबाजी एवं पत्थरबाजी में मोतीलाल व भंवर घायल हो गए। शुक्रवार रात में मोतीलाल किराणा दुकान पर सामान लेने गया। जहां मौजूद भंवर ने अपने साथियों को बुलाया तथा आपसी रंजिश के चलते विवाद होने पर दोनो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इस दौरान बगल में चाकू घोपने से मोतीलाल घायल हो गया तथा पत्थरबाजी होने पर भंवर घायल हो गया।

नगदी व जेवर किए पार

खैरथल, (निसं)। खैरथल में चोरों के हौंसले इतने बुलंद हो गये हैं कि अब दिन में भी घरों में घुस कर मूल्यवान वस्तुओं और नगदी को पार करने लगे हैं। खैरथल शहर के मातोर रोड पर घीसाराम मार्ग पर रहने वाले राजेश कुमार गुप्ता अपनी पत्नी के साथ सुबह करीब साढ़े आठ बजे बाहर निकल गया था कि पीछे से एक डेढ़ बजे आए तो घर का हाल देखकर भौचक्के रह गए। घर में रखी अलमारी का ताला टूटा हुआ था। सारा सामान अस्त-व्यस्त फैला मिला। चोरों ने अलमारी में रखा लैपटॉप, मोबाइल, दस हजार रुपए नकद और तीन साढ़े तीन लाख रुपए के स्वर्ण आभूषणों, चांदी के सिक्के आदि कीमती सामान पार कर लिया।

ऑटो पर होटल की दीवार गिरी, चालक की मौत

भरतपुर, (निसं)। शुक्रवार को आए आंधी-तूफान और बरसात के बाद शनिवार सुबह एक ऑटो पर होटल की दीवार गिर पड़ी। इस हादसे में घायल ऑटो चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। जिस पर मथुरा गेट थाना पुलिस ने मृतक ऑटो चालक ओमप्रकाश के शव का जिला आरबीएम अस्पताल मोर्चरी में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

यह हादसा उस वक्त हुआ जब ऑटो रास्ते से गुजर रहा था उसी वक्त दीवार गिर गई और दीवार के मलबे में ऑटो चालक दब गया। दीवार गिरने से मौके पर हडकंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 6.15 बजे अजीत नगर निवासी ओमप्रकाश अपना ऑटो लेकर अपने काम पर जा रहा था। इसी दौरान पुष्पवाटिका में गैस गोदाम वाली गली से गुजरते वक्त एक होटल की दीवार ऑटो पर गिर पड़ी। जिसके मलबे में ऑटो समेत ऑटो चालक ओमप्रकाश दब गया। आसपास के लोगों को जैसे ही पता चला हड़कंप मच गया। लोगों ने दौड़कर दीवार के नीचे दबे ऑटो चालक को बाहर निकाला और इलाज के लिए जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने ऑटो चालक को मृत घोषित कर दिया।

सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने जेसीबी की मदद से मलबे को हटवाया। ऑटो चालक ओमप्रकाश अजीत नगर में रहता था। परिवार में बीवी और दो बेटा हैं। ओमप्रकाश ऑटो चलाकर ही परिवार पाल रहा था। बताया जा रहा है कि पुष्पवाटिका में क्रेन क्राइब होटल है। इसकी रास्ते की तरफ करीब 200 फीट लंबी और करीब 15 फीट ऊंची पत्थर की दीवार है। यह दीवार लंबे समय से जर्जर हालत में थी। कोलोनिवासियों ने कई बार होटल संचालक को बोला था कि इस दीवार को हटवा दो, किसी दिन हादसा हो सकता है। लेकिन होटल संचालक ने जर्जर दीवार को नहीं हटवाया और यह हादसा हो गया।

सर्वे का औचक निरीक्षण किया

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी, (निसं)। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एस.डी.एम.) राजेश कुमार मीणा ने बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा किये जा रहे हाऊस टू हाऊस सर्वे का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सम्बंधित बीएलओ के सर्वे रजिस्टर का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। साथ ही निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के आदेशानुसार तहसीलदार अमर सिंह बोचला एवं तहसीलदार नेछवा नारायण राम दैया ने भी बीएलओ द्वारा किये जा रहे सर्वे कार्य का निरीक्षण किया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में फोटो युक्त मतदाता सूचियों का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2023 जारी है, जिसकी प्रथम गतिविधि के तौर पर 25 मई से 23 जून तक बीएलओ द्वारा हाऊस टू हाऊस सर्वे किया जा रहा है।सर्वे के निरीक्षण और अब तक की प्रगति रिपोर्ट एवं समीक्षा हेतु ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को नियुक्त कर 10 जून व 11 जून को आवंटित मतदान केंद्रों के निरीक्षण हेतु निर्देशित किया गया है।

रॉयल्टी कर्मियों ने पुजारी के साथ मारपीट की

पुजारी ने रॉयल्टी कर्मचारियों के खिलाफ दर्ज करवाया मामला, अस्पताल में उपचार कराया

मंडार, (निसं)। रेवदर उपखंड क्षेत्र में इन दिनों रॉयल्टी कर्मचारियों की दंबगई लगातार बढ़ती जा रही है, जिसको लेकर क्षेत्र में रॉयल्टी कर्मचारियों द्वारा मारपीट के मामले भी सामने आ रहे हैं। ऐसा ही मामला मंडार थाना क्षेत्र के भेरूगढ गांव में देखने को मिला। जहां पर रॉयल्टी कर्मचारियों ने पुजारी पर लाठी व सरियों से हमला कर पुजारी को लहूलुहान कर दिया। जिसको लेकर पुजारी ने मंडार थाने में रिपोर्ट भी दी,

रिपोर्ट में पुजारी नरपतपुरी पुत्र हेमपुरी उम्र 33 वर्ष पेशा पुजारी एवं चौकीदार जाति गोस्वामी निवासी भेरूगढ पुलिस थाना मण्डार ने बताया कि मौजा बिजवा खेडा भेरूगढ निलकंठ महादेव मन्दिर की पूजा के साथ रात्रि में चौकीदारी का काम करता हूं लेकिन नौ जून को रात्रि के करीब 11.30 बजे मन्दिर परिसर के बाहर सोया हुआ था। उस दौरान बजरी लीज धारक शेरसिह सोलकी पुत्र मंगलसिहं सोलकी तहसील रेवदर जिला-सिरोही जरिये अधिकृत प्रतिनिधी विरेन्द्र सिंह देवडा पुत्र रंजीत सिंह देवडा राजपूत निवासी 149 पश्चिम विहार लाईट विद्यालय के पास वैशाली नगर जयपुर के व्यक्ति केम्पर वाहन लेकर मन्दिर परिसर के पास केम्पर खडा किया। तब मैने उनको कहा कि यहां से केम्पर मत लेकर जाओ मुझको गांव वालों ने मना किया।

मंडार में बजरी रॉयल्टी के कर्मचारी ने पुजारी के साथ मारपीट की।

इस बात से उक्त लोग आग बबुला होकर गाली गलौच कर मरने-मारने पर उतारू हो गये। तब मैं मन्दिर के कमरे में घुस गया तब उक्त व्यक्ति वहा से केम्पर वाहन लेकर चले गये एवं थोडी देर में अखिलेश व अजय व अन्य दो व्यक्ति केम्पर वाहन में बैठकर आये और अजय ने मुझे खाट में से उठाकर पकडा व अखिलेश ने लौहे के सरीये से मारपीट कर लहुलुहान कर दिया। इतने में सूचना पाकर तगतसिह पुत्र विक्रमसिंह व नरपतसिंह पुत्र मगसिंह राजपूत व हेमपुरी पुत्र हंसपुरी गोस्वामी आये तब उक्त लोग वहा से भाग गये।

तब मुझे तगतसिह, नरपतसिंह व हेमपुरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भटाना लेकर आये एव डॉक्टर ने मेरा प्राथमिक उपचार किया और मैने पुलिस चौकी भटाणा में मोबाईल फोन से सूचना देकर सारी घटना बताई।

उपरोक्त बजरी लीजधारक के व्यक्ति देर रात जबरन दादागरी से मन्दिर के निजि रास्ते में होकर चलने से गांव वालों ने उक्त व्यक्तियों को मन्दिर के रास्ते पर होकर नहीं चलने देने के कारण मुझे रात्रि में मन्दिर की देखभाल के लिये चौकीदार नियुक्त किया है। मैने उक्त लोगों को कई बार इस रास्ते पर चलने से मना किया हुआ है जिसने मौका देखकर मेरे साथ मारपीट कर जान से खत्म करने का प्रयास किया।

उक्त व्यक्तियों के द्वारा मेरे जबडे व कमर व हाथ एवं जांघ के पिछे के हिस्से से सरीये से मारपीट की। उक्त लोग आम लोगो से दादागरी करते है जिससे पुरे क्षेत्र में बजरी लीजधारको के गुंडो का भय फैला हुआ है। नामजद व्यक्ति व बजरी लीजधारक व उनके प्रतिनिधि के खिलाफ कठोर से कठोर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की।

11 जून को सचिन पायलट कौनसा कदम उठाएंगे?

क्योंकि 11 अप्रैल को अपनी सरकार के खिलाफ अनशन किया था, 11 मई से जन संघर्ष यात्रा की थी

- **वैसे तो 11 जून को हर वर्ष दौसा में कार्यक्रम होता है, लेकिन इस बार 2 कार्यक्रम और बड़ी आम सभा का आयोजन होने से लोगों में उत्सुकता ज्यादा है**
- **पायलट अपनी मांगों पर अड़े रहते हैं, तो कांग्रेस में सुलह फार्मूला होगा ध्वस्त, मांगों से पीछे हटते हैं तभी कांग्रेस में भविष्य**

जयपुर, (का.प्र.)। रविवार 11 जून को अपनी पूर्व कर्मभूमि दौसा में सचिन पायलट के दो कार्यक्रम है। एक कार्यक्रम वही है, जो हमेशा होता है और वह है स्वर्गीय राजेश पायलट को श्रद्धांजलि देने का। यह कार्यक्रम भंडाना में हर साल होता है। इसी के साथ इस बार दूसरा कार्यक्रम गुर्जर छात्रावास में रखा गया है, जहां राजेश पायलट की मूर्ति के अनावरण करने के साथ एक सभा का आयोजन होना है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मंत्री मुरारी लाल मीणा और बांदीकुई विधायक गजराज खटाना के अलावा पायलट समर्थक अन्य नेता भी पिछले कई दिनों से जुटे हुए हैं।

इस बार यह महत्वपूर्ण इसलिए है कि 11 अप्रैल को सचिन पायलट ने वसुंधरा राजे सरकार के भ्रष्टाचार की जांच के खिलाफ अपनी ही सरकार के सामने मांग रखते हुए अनशन किया था। उसके 1 महीने बाद 11 मई को जन संघर्ष पदयात्रा का आगाज किया था। 15 मई तक यह पदयात्रा अजमेर से जयपुर तक निकाली थी और उस जनसंघर्ष पद यात्रा की समाप्ति पर 15 मई को जयपुर में घोषणा की गई थी, कि यदि आरपीएससी को भंग कर नई व्यवस्था लागू नहीं की गई, छात्रों को आर्थिक मुआवजा नहीं दिया गया और वसुंधरा राजे सरकार के भ्रष्टाचार की जांच की घोषणा 15 दिन में नहीं की गई तो मैं प्रदेश स्तरीय आंदोलन करूंगा। गांव-ढाणी में जाकर आंदोलन करूंगा। लेकिन अपना अल्टीमेटम समाप्त होने के बाद वह आंदोलन शुरू करते उससे पहले ही 29 मई को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की 3 घंटे हुई बैठक और उसके बाद सचिन पायलट को बुलाकर की गई बात के बाद आंदोलन स्थगित हो गया।

ऐसे में बीच में चर्चा यह चलती रही कि सचिन पायलट नई पार्टी बनाएंगे। हालांकि चर्चा अभी भी ना तो समाप्त हुई है, ना खुद सचिन पायलट ने इस चर्चा को अभी तक खारिज किया है। लेकिन अब विधानसभा चुनाव में समय कम बचा है, ऐसे में सचिन पायलट नई पार्टी बनाने का रिस्क लेंगे या नहीं लेंगे, इसे लेकर भी अभी सब कुछ क्लियर नहीं है और असमंजस की स्थिति बनी हुई है? यही कारण है कि 11 जून का सभी को इंतजार है। यह इंतजार इसलिए भी है कि पायलट 11 जून को अपने अगले कदम की घोषणा जरूर करेंगे कि आखिरकार उनके मन में क्या है।

हालांकि 29 मई को दिल्ली में हुई सुलह वार्ता के 2 दिन बाद ही उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र टोंक में घोषणा की थी, कि वह अपनी तीनों मांगों पर कोई समझौता नहीं करेंगे। दूसरी और अशोक गहलोत उनकी तीनों मांगों को अलग-अलग समय पर भाषणों के जरिए और बयानों के जरिए स्पष्ट रूप से ठुकरा चुके हैं। ऐसे में इंतजार है कि क्या 11 जून को सचिन पायलट अपने अगले कदम की घोषणा कर सकते हैं। वैसे भी 11 जून को उनके भाषण को देखने के बाद ही यह तय होगा कि क्या वे 11 जून को अपने आंदोलन को आगे बढ़ाने की घोषणा करते हैं, या नहीं। यदि वे आंदोलन की मांग पर अडिग रहते हैं, तो तय मानिए 29 मई को दिल्ली में हुई सुलह फार्मूले की बात ध्वस्त हो जाएंगी। वहीं यदि आंदोलन को आगे बढ़ाने की बात नहीं करते हैं, तो जनता को लगेगा कि आखिरकार उन्होंने इतनी बड़ी घोषणा क्यों की थी। ऐसे में माना जा रहा है कि सचिन पायलट खुद बड़ी उलझन में हैं और इससे निकलना भी आसान नहीं है।

भले ही उनकी नई पार्टी बनाने की चर्चा होती रही है, लेकिन नई पार्टी बनाना और उसे आगे ले जाना राजस्थान में बहुत आसान काम नहीं है। पिछले काफी वर्षों से राजस्थान में तीसरी पार्टी, जिनमें किरोड़ी लाल मीणा की पार्टी भी बड़ा उदाहरण है, आगे नहीं बढ़ पाई। वहीं अब हनुमान बेनीवाल लगातार अपनी पार्टी का आधार तो बढ़ा रहे हैं, पार्टी का चुनाव में वोट बैंक भी ठीक-ठाक था और हाल ही हुए उपचुनाव में भी हनुमान बेनीवाल की पार्टी को अच्छा खासा वोट मिला है, लेकिन अब तक हनुमान बेनीवाल को भाजपा के साथ गठबंधन के कारण वोट मिला बताया जाता है। ऐसे में 2023 के चुनाव में हनुमान बेनीवाल यदि 6 प्रतिशत से ज्यादा वोट लेते हैं तो निश्चित मानिए कि उनका कद राजस्थान की राजनीति में बड़ा होगा। इधर सचिन पायलट भी हनुमान बेनीवाल जैसा कदम उठाएं, इसके लिए जितना समय चुनाव में बचा है, उसमें सचिन पायलट ऐसा शायद ही करें।

ऐसे में यदि सचिन पायलट अब कोई पद लेकर कांग्रेस के साथ रहते हैं, तो उन्हें अपनी तीनों मांगें छोड़नी होंगी और यदि ऐसा करते है तो जनता के मन में उनके प्रति लगेगा कि इन मांगों को क्यों उठा रहे थे। आंदोलन क्यों कर रहे थे। ऐसे में सचिन पायलट के भाषण और अगले कदम का सभी को इंतजार है और कांग्रेस की विधानसभा चुनाव में उतरने की रणनीति भी उसी कदम से तय होगी।

अंजीर, पपीता एवं अमरूद के एक्सीलेंस सेंटर में 19 पद सृजित

जयपुर। सिरोही के अंजीर उत्कृष्टता केंद्र, दौसा के पपीता उत्कृष्टता केंद्र (एक्सीलेंस सेंटर) तथा सवाई माधोपुर के अमरूद उत्कृष्टता प्रशिक्षण केंद्र के संचालन के लिए 19 पदों का सृजन होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सिरोही के अंजीर उत्कृष्टता केंद्र में उपनिदेशक उद्यान (अनुसंधान), कृषि अनुसंधान अधिकारी, कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक व सहायक प्रशासनिक अधिकारी के 1-1 पद तथा सहायक कृषि अधिकारी के 2 पद स्वीकृत किए गए हैं। दौसा के पपीता उत्कृष्टता केन्द्र में उपनिदेशक उद्यान (अनुसंधान), कृषि अनुसंधान अधिकारी, कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक व सहायक प्रशासनिक अधिकारी के 1-1 पद तथा सहायक कृषि अधिकारी के 2 पद सहित कुल 7 पदों का सृजन किया जाएगा। सवाई माधोपुर के अमरूद उत्कृष्टता प्रशिक्षण केंद्र में कृषि अनुसंधान अधिकारी कीट, कृषि अनुसंधान अधिकारी पौध व्याधि, सहायक कृषि अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक व कनिष्ठ लेखाकार के 1-1 पद सहित कुल 5 पद सृजित होंगे।

7 जिलों में खुलेंगी खेल अकादमियां

जयपुर। राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश में विभिन्न खेल अकादमियां स्थापित कर रही हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 7 जिलों में खेल अकादमियों के लिए 14.25 करोड़ रुपए की वित्तीय मंजूरी दी है। सीकर के कोलिड़ा एवं बांसवाड़ा में फुटबॉल अकादमी, बीकानेर में साईक्लिंग अकादमी, भीलवाड़ा में कुश्ती अकादमी, राजगढ़ (चूरू) में एथलेक्टिस अकादमी तथा बाड़मेर व सीकर में बास्केटबॉल अकादमी की स्थापना की जाएगी।

राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड को चार प्रतिष्ठित अवार्ड मिले

दिल्ली में केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय की इकाई इंडियन बिल्डिंग्स कांग्रेस ने आवासन मंडल के चार प्रोजेक्ट्स को एक्सीलेंस इन बिल्ट एनवायरनमेंट के लिए सम्मानित किया। मंडल की ओर से मुख्य अभियंता प्रथम के.सी. मीणा, उप आवासन आयुक्त (मुख्यालय) विजय अग्रवाल, उप आवासन आयुक्त (सिटी पार्क) के.के. दीक्षित, एच.आर.दुपका, आवासीय अभियंता जी.पी. अग्रवाल और रोहित सिंह ने हजारों लोगों की उपस्थिति में विभिन्न सम्मान ग्रहण किए।

-कार्यालय संवाददाता-

- **सिटी पार्क, कोचिंग हब, जयपुर चौपाटी और मुख्यमंत्री प्रहरी-अध्यापक आवासीय योजना की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना**
- **आवासन मंडल को गत 4 वर्षों में 21 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार मिल चुके**

जयपुर। राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहा, जब बोर्ड की झोली में 4 राष्ट्रीय स्तर के अवार्ड आए। शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार की इकाई आईबीसी (इंडियन बिल्डिंग्स कांग्रेस) ने मंडल के 4 प्रोजेक्ट्स को एक्सीलेंस इन बिल्ट एनवायरनमेंट के लिए सम्मानित किया।

दिल्ली के एपी शिंदे सिंपोजियम में आयोजित समारोह में सीपीडब्ल्यूडी के पूर्व निदेशक शैलेंद्र शर्मा, हुडको के पूर्व निदेशक वी. सुरेश, आईबीसी के चेयरमैन विजय सिंह वर्मा और लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद वालिया उपस्थित रहे। मंडल की ओर से मुख्य अभियंता प्रथम के.सी. मीणा, उप आवासन आयुक्त (मुख्यालय) विजय अग्रवाल, उप आवासन आयुक्त (सिटी पार्क) के.के. दीक्षित, एच.आर.दुपका, आवासीय अभियंता जी.पी. अग्रवाल और रोहित सिंह ने हजारों लोगों की उपस्थिति में विभिन्न सम्मान ग्रहण किए।

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने कहा कि सम्मान अकेले अधिकारी का नहीं, बल्कि पूरी टीम का होता है। विगत 4 वर्ष पूर्व आमजन का विश्वास आवासन मंडल से पूरी तरह उठ गया था, मंडल लगातार घाटे में जा रहा था लेकिन मंडल के अधिकारियों और कार्मिकों की ऊर्जा ने नामुमकिन को भी मुमकिन कर दिखाया।

अरोड़ा ने बताया कि दिल्ली के भव्य समारोह में सराहे गए सिटीपार्क, कोचिंग हब, चौपाटी और शिक्षक प्रहरी आवास योजना इससे पूर्व भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खासी चर्चित रह चुके हैं। टिकट लगने के बावजूद भी सिटी पार्क में प्रतिदिन हजारों की संख्या में स्थानीय और विदेशी पर्यटक इसकी खूबसूरती का दीदार करने आते हैं। प्रताप नगर और मानसरोवर में स्थापित चौपाटी के लजीज क्यूज़ीन और व्यंजनों के तो शहरवासी दीवाने हैं। चौपाटियों के शुरुआती 5 महीनों में अधिकतम फुटफाल के लिए तो दो अंतरराष्ट्रीय अवार्ड भी मिल चुके हैं। चौपाटियों पर चलने वाला लाइव बैंड के आगंतुक खासे मुरीद हैं। प्रताप नगर में बना कोचिंग हब देश का पहला ऐसा संस्थान है, जहां अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन में निजी कोचिंग एक साथ संचालित होने को हैं। इनके अलावा प्रदेश में शिक्षक और कांस्टेबल के लिए पहली बार बनी आवास परियोजना रही जहां रहवासियों को स्विमिंग पूल, स्पोर्ट्स अरेना, कम्युनिटी एरिया, लैंड स्कैपिंग तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई।

गौरतलब है कि आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा की अगुवाई में पिछले चार वर्षों में मण्डल को कुल 21 अवार्ड मिल चुके हैं। इनमें मकान विक्रय में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, स्कॉच अवार्ड-2021, अवार्ड ऑफ एक्सीलेन्सी, नेशनल रियल एस्टेट डवलपमेंट काउंसिल द्वारा सम्मान, नेशनल हाउसिंग अवार्ड, आई.बी.सी और 'स्टार ऑफ गवर्नेंस-गोल्ड अवार्ड' और नरेडको द्वारा दिए रियल एस्टेट कॉन्क्लेव जैसे प्रतिष्ठित अवार्ड शामिल हैं।

100 आयुष चिकित्सालयों में यूनानी चिकित्सा मिलेगी

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में परम्परागत चिकित्सा प्रणालियों के विकास एवं विस्तार के लिए निरन्तर महत्वपूर्ण फैसले लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 100 आयुष चिकित्सालयों/ औषधालयों में यूनानी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। साथ ही, इन सुविधाओं के संचालन के लिए कुल 200 पदों के सृजन के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है।

इन 100 आयुष चिकित्सालयों / औषधालयों में यूनानी चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक में यूनानी चिकित्साधिकारी तथा यूनानी कनिष्ठ नर्स/ कम्पाउण्डर के 1-1 पद का सृजन किया जाएगा। इनके लिए 20 लाख रुपए लागत से आवश्यक फर्नीचर एवं उपकरणों की खरीद भी की जाएगी। गहलोत के इस निर्णय से प्रदेश में परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा। जयपुर में 18, जोधपुर में 16, भरतपुर में 8, सीकर में 6, अजमेर व सवाईमाधोपुर में 5-5, उदयपुर, दौसा व झुंझुनूं में 4-4, नागौर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, चूरू में 3-3, कोटा, जालोर, जैसलमेर व राजसमंद में 2-2, अलवर, बीकानेर, बूंदी, धौलपुर, हनुमानगढ़, करौली, पाली, प्रतापगढ़, श्रीगंगानगर व टोंक में 1-1 आयुष चिकित्सालय /औषधालय में यूनानी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी।

जब हर आंगन में होगा योग, तब ही हर घर रहेगा निरोग : सौम्या गुर्जर

जयपुर, (कासं)। योग महोत्सव-2023 के तहत ग्रेटर नगर निगम योग शिविरों का आयोजन कर रहा है। इस कड़ी में शनिवार को नगर निगम ग्रेटर और पंतजलि योग समिति की ओर से करधनी पार्क में योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत करते हुए महापौर सौम्या गुर्जर ने कहा कि जब हर आंगन में योग होगा, तब ही हर घर निरोग रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वयं नियमित योग करके अन्य को प्रशिक्षण देने वाले तथा योग के प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान देने वाले योगाचार्यों के साथ योग प्रशिक्षकों व नागरिकों को नगर निगम ग्रेटर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित करेगा। जयपुर के हर घर-आगंन के साथ फुटपाथ पर जीवनयापन करने वाले अंतिम स्तर के व्यक्ति को भी योग का प्रशिक्षण देकर उसकी सेवा करनी है।

एशियाई खेलों से पहले स्पेन, जर्मनी का दौरा करेगी महिला हॉकी टीम

नयी दिल्ली, 10 जून। भारतीय महिला हॉकी टीम चीन के हांग्झोउ में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिये जुलाई में जर्मनी और स्पेन का दौरा करेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने शनिवार को यह जानकारी दी। साई ने बताया कि भारतीय टीम 12 जुलाई को जर्मनी जायेगी, जहां वह रसेलशाइम में प्रशिक्षण लेने के बाद जर्मनी और चीन से मुकाबला करेगी। जर्मनी में अभियान खत्म करने के बाद भारतीय महिलाएं टेरासा जायेंगी, जहां उनका सामना मेज़बान स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से होगा। यूरोप का यह दौरा एशियाई खेलों की तैयारी के लिहाज़ से भारत के लिये महत्वपूर्ण होगा, जो पेरिस ओलंपिक 2024 का क्वालीफिकेशन आयोजन भी है। इस अंतरराष्ट्रीय दौरे का वित्तपोषण केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल महासंघ योजना के तहत किया जा रहा है। भारतीय महिलाएं इस समय बेंगलुरु के साई केंद्र में हैं, जहां वे एशियाई खेलों के तैयारी शिविर में रविवार से भाग लेंगी।

दीक्षा कट से चूकी, शुभंकर ने बोगी रहित दौर खेला

स्टॉकहोम, 10 जून। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने बोगीरहित दूसरा दौर खेलकर स्कैंडेनेवियन मिश्रित ओपन में कट में प्रवेश कर लिया लेकिन दीक्षा डागर चूक गई। शर्मा ने पहले दौर में निराशाजनक 75 का स्कोर किया था लेकिन दूसरे दौर में कोई बोगी नहीं किया जबकि चार बर्डी लगाये। वह संयुक्त 48वें स्थान पर हैं। वहीं दीक्षा ने पहले दौर में पांच ओवर और दूसरे में तीन ओवर का स्कोर किया और कट में जगह नहीं बना सकी। इंग्लैंड की डेल विटनेल ने छह स्ट्रोक्स की बढत बना ली है।

किपयेगोन ने एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार बनाया विश्व रिकॉर्ड

पेरिस, 10 जून। कीनिया की फेथ किपयेगोन ने यहां डायमंड लीग मीट में 5000 मीटर रेस में 14 मिनट 5.20 सेकंड के समय के साथ शुक्रवार को यहां महिला वर्ग में नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। दो बार की इस ओलंपिक चैम्पियन ने पिछले सप्ताह फ्लोरेंस में गोल्डन गाला एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ को तीन मिनट 49.11 सेकंड में पूरा कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। वह इस दौड़ में तीन मिनट 50 सेकंड से कम का समय निकालने वाली दुनिया की पहली महिला एथलीट बन गई थी। किपयेगोन ने पेरिस में अपने आखिरी लैप को 61.1 सेकंड में पूरा कर लेटेसेनबेट गिडे के रिकॉर्ड को 1.42 सेकंड के अंतर से तोड़ा। गिडे ने 2020 में 14 मिनट 07.94 सेकंड के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

जीत से 280 रन दूर भारत, संघर्ष जारी

लंदन, 10 जून। भारत ने रोहित शर्मा (43) और विराट कोहली (44 नाबाद) के महत्वपूर्ण योगदानों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के चौथे दिन शनिवार को तीन विकेट पर 164 रन बना लिये, हालांकि वह अब भी जीत से 268 रन दूर है। पहली पारी में 173 रन की बढ़त लेने वाले ऑस्ट्रेलिया ने एलेक्स कैरी (66 नाबाद) के अर्द्धशतक की मदद से दूसरी पारी 270/8 के स्कोर पर घोषित करते हुए भारत के सामने 444 रन का पहाड़ जैसा लक्ष्य रखा है। अगर भारत आखिरी दिन लक्ष्य हासिल करना चाहता है तो उसे कोहली-रहाणे पर निर्भर रहना होगा।

करो या मरो की स्थिति में लक्ष्य का पीछा करने उतरे रोहित और शुभमन गिल ने खुलकर बल्लेबाजी की। रोहित ने पहले ही ओवर में कमिंस को चौका लगाकर खाता खोला, जबकि गिल ने दो ओवर बाद कमिंस को दो चौके जड़े। कप्तान कमिंस ने विकेट की तलाश में वामहस्त गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी गेंद सौंपी। रोहित ने उनका स्वागत फाइन लेग पर छक्का लगाकर किया। भारत दूसरे सत्र का समापन बिना विकेट गंवाये कर सकता था, लेकिन बोलैंड ने सत्र के आखिरी ओवर में शुभमन गिल को स्लिप में कैचआउट करवा दिया। गिल 19 गेंद पर 18 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद भी रोहित ने उसी अंदाज़ में रन बनाना जारी रखा और चौके के साथ नौवें ओवर में भारत का पचासा पूरा किया। दूसरे छोर पर खड़े पुजारा ने भी बोलैंड को चौका लगाकर दबाव कम किया। रोहित पुजारा के बीच हुई 51 रन की साझेदारी की मदद से भारत अच्छी स्थिति में दिखने लगा, लेकिन तभी दोनों बल्लेबाज खराब शॉट खेलकर पवेलियन लौट गये।

नेथन लायन की स्पिन पर स्वीप खेलने की कोशिश में रोहित (43) पगबाधा हुए, जबकि कमिंस की गेंद पर अपर-कट खेलने की कोशिश करते हुए पुजारा (27) विकेटकीपर को कैच थमा बैठे। भारत का स्कोर पलक झपकते ही 92/1 से 93/3 हो गया।

इसके बाद स्कॉट बोलैंड ने कुछ देर तक कोहली को अपनी स्विंग से छकाया, हालांकि उनका स्पेल समाप्त होते ही कोहली-रहाणे ने आसानी के साथ रन बटोरे। कोहली ने 35वें ओवर में चौका लगाकर भारत के 150 रन पूरे किये। दिन का खेल खत्म होने तक कोहली 44 रन बनाकर जबकि रहाणे 20 रन बनाकर खेल रहे हैं और दोनों के बीच 69 रन की साझेदारी हो चुकी है।

इससे पूर्व, दिन की शुरुआत में भारत की कोशिश थी कि वह ऑस्ट्रेलिया को छोटे से छोटे स्कोर पर रोककर विशाल बढ़त न लेने दे। उमेश यादव ने अपने पहले स्पेल में मार्नस लाबुशेन (126 गेंद, 41 रन) को स्लिप में कैचआउट करवाकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई, हालांकि इसके बाद लंबे समय तक कोई विकेट नहीं गिरा।

आधी टीम के 124 रन पर पवेलियन लौटने के बाद ग्रीन और कैरी ने पारी को संभाला। ग्रीन ने जहां धैर्य का प्रदर्शन किया, वहीं कैरी ने मौका मिलने पर चौका लगाने में देर नहीं की। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को 300 रन के पार पहुंचाते हुए छठे विकेट के लिये 43 बहुमूल्य रन जोड़े। जडेजा ने ग्रीन को आउट करके इस साझेदारी को समाप्त किया। जब धैर्यवान ग्रीन (95 गेंद, 25 रन) का विकेट गिरा तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 167 रन था। ग्रीन-स्टार्क की जोड़ी ने लंच तक ऑस्ट्रेलिया को 200 रन के पार पहुंचाते हुए कोई और नुकसान नहीं होने दिया। पहली पारी में अर्द्धशतक से चूकने वाले कैरी ने 82 गेंद में 50 रन का आंकड़ा छुआ। कैरी ने ही 79वें ओवर में जडेजा को चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 400 रन के पार भी पहुंचाई।

विवादास्पद कैच से आउट हुए गिल

पहली पारी में 13 रन बनाने वाले शुभमन गिल दूसरी पारी में अच्छी लय में दिखे। गिल टिकते हुए नजर आ रहे थे लेकिन 18 के निजी स्कोर पर उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। गिल को स्कॉट बोलैंड ने आठवें ओवर में कैमरन ग्रीन के हाथों कैच कराया। हालांकि, गिल को कैच आउट दिए जाने पर कंट्रोवर्सी हो गई है। रोहित ने भी गिल के आउट होने पर नाराजी का इजहार किया। पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने अंपायर के फैसले पर सवाल उठाए। वहीं, भारतीय फैंस सोशल मीडिया पर कह रहे हैं कि फाइनल में भारतीय टीम के साथ बेईमानी हो गई है। बता दें कि गिल को आठवें ओवर की पहली गेंद गुड लेंथ पर मिली, जो ऑफ स्टंप के करीब की लाइन में आई। ऐसे में गिल शॉट खेलने में थोड़ा हिचकिचाए लेकिन बल्ला अड़ा दिया। गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर गली में चली गई, जहां ग्रीन मौजूद थे। ग्रीन ने बाईं ओर झुककर गेंद पकड़ी और जश्न मनाने लगे। इसके बाद, थर्ड अंपायर ने कैच चेक करने का फैसला किया और कई बार रिप्ले देखा। रिप्ले में स्पष्ट तौर पर क्लीन कैच नहीं दिखा। एक एंगल से यह भी लगा कि गेंद जमीन से टच हुई है। हालांकि, जब बिग स्क्रीन पर अंपायर का निर्णय आया तो गिल को आउट करार दिया गया। थर्ड अंपायर के फैसले से गिल तो निराश थे ही रोहित भी गुस्सा में दिखे।

स्वियातेक फिर बनी रोलां गैरो चैम्पियन

पेरिस, 10 जून। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए शनिवार को खेले गये फ्रेंच ओपन महिला एकल फाइनल में चेक गणराज्य की कैरोलीना मुकोवा को हराकर लगातार दूसरी बार रोलां गैरो का खिताब जीत लिया। कोर्ट फिलिप चैट्रियर पर दो घंटे 46 मिनट चले मुकाबले का पहला सेट गंवाने के बाद मुकोवा ने दमखम दिखाया, लेकिन टॉप सीड स्वियातेक ने 6-2, 5-7, 6-4 की जीत के साथ विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान अपने पास रखा।

यह स्वियातेक के करियर का तीसरा रोलां गैरो और कुल चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। उन्होंने पिछले साल अमेरिकी ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। सिर्फ 22 साल की उम्र में स्वियातेक चार ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गयी हैं। दूसरी ओर, गैर वरीयता प्राप्त मुकोवा के लिये भी यह एक यादगार अभियान रहा। यह किसी ग्रैंड स्लैम आयोजन में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2021 के सेमीफाइनल तक सफर किया था।

फ्रेंच ओपन : व्हील चेयर ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने ओडा

पेरिस, 10 जून। जापान के टोकिटो ओडा शनिवार को फ्रेंच ओपन व्हीलचेयर फाइनल में ब्रिटेन के अल्फी हेवेट को 6-1, 6-4 से हराकर सबसे कम उम्र के व्हीलचेयर ग्रैंड स्लैम चैंपियन बन गये। इस जीत के बाद ओडा का विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचना भी तय है। ओडा ने जीत के बाद कहा, मैं एक दिन दो सपने पाकर वास्तव में बहुत खुश था। सबसे कम उम्र का विश्व नंबर एक बनना और ग्रैंड स्लैम खिताब जीतना, आज दोनों सपने पूरे हुए। यह मेरे जीवन का सबसे खुशी का दिन है।" इस जीत के साथ ओडा ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हेवेट के हाथों मिली हार का हिसाब भी चुकता किया। ओडा ने कहा, "यह फिलिप चैट्रियर कोर्ट पर मेरा पहला मुकाबला था। भीड़ में इतने लोग थे। कोई कहता है, कम ऑन, टोकिटो, और कोई कहता है, अल्लेज़, टोकिटो। यह शब्द सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई।" नयी विश्व रैंकिंग सोमवार को जारी की जाएगी।

बाइडन पर यूक्रेन की कंपनी से 50 लाख डॉलर रिश्वत लेने का आरोप

फॉक्स न्यूज की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि, राष्ट्रपति बाइडन को रिश्वत के रूप में यूक्रेनी गैस कंपनी बरिस्मा होल्डिंग्स ने यह रकम दी थी

वॉशिंगटन, 10 जून। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन एक बड़े संकट में फंसते नजर आ रहे हैं। बाइडन पर यूक्रेन की एक कंपनी से 5 मिलियन (50 लाख) डॉलर की रिश्वत लेने का आरोप है। फॉक्स न्यूज की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति बाइडन को रिश्वत के रूप में यूक्रेनी गैस कंपनी बरिस्मा होल्डिंग्स के एक कार्यकारी अधिकारी से 5 मिलियन डॉलर का भुगतान मिला था। बता दें कि ये वही कंपनी है जहां जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन बोर्ड सदस्य थे। हंटर बाइडन ने इस कंपनी में लंबे समय तक काम किया था।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उस गैस फर्म के कार्यकारी अधिकारी के खिलाफ जांच चल रही है। यूक्रेनी वकील विक्टर शॉकिन इसकी जांच कर रहे हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे उस कार्यकारी अधिकारी ने जो बाइडन से फेवर मांगा था क्योंकि कंपनी आरोपों के कारण निवेश करने में असमर्थ थी। खबर के मुताबिक, 'भ्रष्टाचार की जांच को समाप्त करने के लिए जो बाइडन को 50 लाख डॉलर का भुगतान किया गया था। एफ.बी.आई. को इसके बारे में जून 2020 में एक गोपनीय सोर्स से पता चला था। सोर्स ने संकेत दिया था कि जो बाइडन और एक विदेशी व्यक्ति कथित रूप से एक आपराधिक रिश्वत कांड में शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट में एक एफ.बी.आई.- एफ.डी. 1023 फॉर्म का जिक्र किया गया है, जिसका इस्तेमाल एफ.बी.आई. एजेंटों द्वारा गोपनीय सूत्रों द्वारा प्रदान की गई असत्यापित जानकारी को दर्ज करने के लिए किया जाता है। एफ.बी.आई. के फॉर्म में इंटरव्यू किए गए सोर्स का जिक्र है जिसे "अत्यधिक विश्वसनीय" बताया गया है।

- रिपोर्ट के अनुसार, उक्त गैस फर्म के कार्यकारी अधिकारी के खिलाफ इस मामले में जांच चल रही है। भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे उस कार्यकारी अधिकारी ने राष्ट्रपति बाइडन से फेवर मांगा था, क्योंकि कंपनी आरोपों के कारण निवेश करने में असमर्थ थी।
- खबर के मुताबिक, इस गैस कंपनी के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच को बंद करने के लिए बाइडन को 50 लाख डॉलर का भुगतान किया गया था।

रिपोर्टों के मुताबिक, उस एफ.बी.आई. दस्तावेज में कथित तौर पर सारी जानकारी लिखी हुई है कि कैसे एक यूक्रेनी वकील को हटाने के लिए जो बाइडन को 50 लाख डॉलर दिए गए थे। वह पैसा कथित रूप से यूक्रेनी तेल कंपनी बरिस्मा होल्डिंग्स के मालिक की तरफ से ही आया था। इस बीच रिपब्लिकन सांसदों ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रपति बाइडन के अलावा, उनके बेटे हंटर बाइडन ने भी यूक्रेनी गैस कंपनी को भ्रष्टाचार की जांच से बचाने के लिए 50 लाख डॉलर हासिल किए हैं। सोर्स ने बताया कि 2015 से कई वर्षों में बरिस्मा के एक वरिष्ठ कार्यकारी के साथ उसकी कई बैठकों पर चर्चा हुई।

पूर्व प्र.मंत्री बोरिस जॉनसन ने सांसद पद से दिया इस्तीफा

लंदन, 10 जून (वार्ता) ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने टोरी सांसद के पद से इस्तीफा दे दिया है। जॉनसन ने एक संसदीय समिति के एक बयान के बाद यह कदम उठाया। उन्हें पार्टीगेट मामले को लेकर संसद से जबरन बाहर किया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व प्रधानमंत्री ने कॉमन्स (संसद के निचले सदन) विशेषाधिकार समिति की एक रिपोर्ट को पहले ही देख लिया था, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में कोविड-19 की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन का उल्लंघन कर 10 डाउनिंग स्ट्रीट (प्रधानमंत्री आवास) में पार्टियां आयोजित करने के मुद्दे पर संसद को भ्रमित करने के मामले में प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। जॉनसन इस मामले में एक संसदीय समिति की जांच का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कोरोना लॉकडाउन के दौरान डाउनिंग स्ट्रीट पार्टियों का आयोजन कर निचले सदन को गुमराह किया था। जॉनसन ने एक विस्फोटक और लंबे बयान में समिति को 'कंगारू कोर्ट' कहा था।

मुसलमानों को ओ.बी.सी. कोटे के तहत आरक्षण जायज?

नई दिल्ली, 10 जून (वार्ता)। राष्ट्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने पश्चिम बंगाल में आबादी के अनुपात से कहीं अधिक तमाम मुस्लिम समुदायों को बिना प्रक्रिया को अपनाये पिछड़ी जातियों की सूची में जगह देने पर हैरानी जाहिर करते हुए राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

राष्ट्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने आज यहां संवाददाताओं से कहा कि पश्चिम बंगाल की 70.5 प्रतिशत आबादी हिन्दू और करीब 27 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है। लेकिन पिछड़े वर्ग की सूची में दर्ज 179 जातियों में से 118 जातियां मुस्लिम हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2011 के पहले राज्य में 108 जातियां इस श्रेणी में सूचीबद्ध थीं जिनमें से 53 मुस्लिम एवं 55 हिन्दू जातियां शामिल थीं लेकिन वर्ष 2011 के बाद 71 और जातियां इस सूची में जोड़ी गयीं जिनमें से 65 मुस्लिम एवं केवल छह हिन्दू जातियां शामिल थीं।

उन्होंने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिश पर पश्चिम बंगाल सरकार के सांस्कृतिक शोध संस्थान (सी.आर.आई.) ने अध्ययन करके इन जातियों को ओ.बी.सी. की सूची में जोड़ने की सिफारिश की थी। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा इस स्तर पर जा कर मुस्लिम समुदायों को ओ.बी.सी. की श्रेणी प्रदान करने के पीछे वोट बैंक की राजनीति दिखायी देती है। अहीर ने कहा कि पिछड़े वर्ग की आबादी में 34 प्रतिशत हिन्दू और 65.9 प्रतिशत मुस्लिम हैं। राज्य में ओ.बी.सी. की दो श्रेणियां हैं- श्रेणी ए और श्रेणी बी। श्रेणी ए को दस प्रतिशत एवं श्रेणी बी को सात प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है। श्रेणी ए में कुल 81 जातियां (8 हिन्दू एवं 73 मुस्लिम) और श्रेणी बी में 98 जातियां (53 हिन्दू एवं 45 मुस्लिम) हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में इस समय कुल 45 प्रतिशत आरक्षण लागू हैं जिनमें से 17 प्रतिशत ओ.बी.सी. के लिए और बाकी अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए है। उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा के हिसाब से ओ.बी.सी. को 22 प्रतिशत तक आरक्षण दिया जा सकता है। राष्ट्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने इस बारे में पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को लिखा है लेकिन वे चुप्पी साधे हुए हैं।

- राष्ट्रीय ओ.बी.सी. आयोग ने पश्चिम बंगाल सरकार से जवाब तलब किया
- राष्ट्रीय ओ.बी.सी. आयोग का मानना है कि प. बंगाल सरकार ने मुसलमानों को आरक्षण देने के मामले में किसी भी पूर्व निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया है।

अहीर ने कहा कि केरल एवं तेलंगाना में भी इसी प्रकार की विसंगतियों की शिकायतें मिलीं हैं। जिनकी जांच करायी जा रही है। उन्होंने यह भी साफ किया कि बात मुस्लिम या हिन्दू की नहीं है। मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर बने कानून के मुताबिक मुस्लिम पिछड़े वर्गों को भी इसका फायदा मिलता है लेकिन जातियों के निर्धारण का तरीका न्याय सम्मत नहीं है। किसी ने कुछ कह दिया तो वैसे ही मान लिया गया।

काफी समानताए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुए कर्नाटक चुनाव में मुफ्त उपहारों का वादा किया गया, विशेषकर महिला मतदाताओं को लक्षित करके, जिससे कांग्रेस को जीत में मदद मिली।

मध्य प्रदेश में भाजपा बचाव की मुद्रा में दिखी क्योंकि मुख्यमंत्री चौहान और अन्य पार्टी नेताओं के बीच आंतरिक कलह है जिनमें शामिल है राज्य भाजपा अध्यक्ष वी.डी.शर्मा, नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय और ज्योतिरादित्य सिंधिया। इसके मुकाबले कांग्रेस में अंतर्कलह कम है, जो कमलनाथ और दिग्विजय सिंह खेमों तक सीमित है।कर्नाटक में नुकसान के बाद भाजपा नेता कोई कसर नहीं छोड़ रहे ताकि वे मध्य प्रदेश नहीं हारें, जो 2005 से पार्टी का गढ़ रहा है। बीच में कुछ समय कमनलाथ के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार आने के अलावा चौहान ही मुख्यमंत्री रहे हैं। अब ये कयास है कि पार्टी नेतृत्व मुख्यमंत्री के लिए नए चेहरे को आगे कर सकता है ताकि चौहान के विरूद्ध एंटी इंकबैंसी का तोड़ निकल सके।

बांग्लादेश में एक भारतीय 11 करोड़ की कोकीन के साथ गिरफ्तार

ढाका, 10 जून (वार्ता)। बंगलादेश की राजधानी ढाका के शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने एक भारतीय नागरिक को एक किलो 800 ग्राम कोकीन के साथ गिरफ्तार किया है।

सीमा शुल्क खुफिया एवं जांच निदेशालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। निदेशालय ने बताया कि बरामद कोकीन की कीमत करीब 11 करोड़ रुपये है।

- बंगलादेश में एक भारतीय नागरिक को एक किलो 800 ग्राम कोकीन के साथ गिरफ्तार किया है।

एन.सी.पी. प्रमुख ने अजित पवार के पर कतरे

- शरद पवार ने पार्टी के दो कार्यकारी अध्यक्ष बनाये, पुत्री सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया
- माना जा रहा है कि, इस फैसले से शरद पवार ने अपने भतीजे अजित पवार को बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। यह इसलिए भी बेहद अहम हो जाता है कि बीते दिनों अजित पवार कई बार पार्टी लाइन से अलग हटकर अपनी बगावती चाल दिखा चुके हैं।

मुंबई, 10 जून। एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने ऐसा कदम उठाया है जिसकी छाप लंबे समय तक बनी रह सकती है। पवार ने शनिवार को सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित कर दिया। पवार ने अप्रत्याशित तौर पर दो कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर एन.सी.पी. की राजनीति को एकदम नये मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। माना जा रहा है कि, इस फैसले से शरद पवार ने अपने भतीजे अजित पवार को बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। यह इसलिए भी बेहद अहम हो जाता है कि बीते दिनों अजित पवार कई बार पार्टी लाइन से अलग हटकर अपनी बगावती चाल दिखा चुके हैं। ऐसे में एन.सी.पी. अध्यक्ष के फैसले को बड़े पॉलिटिकल कैनवस पर देखा जा रहा है। नजर इस बात पर जा टिकी है कि शरद पवार के इस फैसले के बाद अजित पवार और उनके समर्थकों का रुख क्या होगा।

राजनीतिक जानकार मानते हैं कि एन.सी.पी. चीफ का यह ताजा फैसला बेटी सुप्रिया सुले को राष्ट्रीय राजनीति में एंट्री दिलाने की कोशिश है। पार्टी लाइन में यह पहले ही साफ हो चुका था कि, भतीजे अजित पवार का दायरा महाराष्ट्र की राजनीति तक ही सीमित रहेगा। बीते काफी समय से अजित को इस भूमिका में देखा भी गया है। अब सुले और पटेल के कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद अजित के सीमित राजनीतिक दायरे पर मुहर लगती दिख रही है। ऐसी स्थिति में इस बात का भी खतरा है कि अजित पवार का खेमा पार्टी आलाकमान से नाराज हो सकता है। मगर, यह भी देखने वाली बात होगी कि यह नाराजगी किस हद तक आगे बढ़ती है। हालांकि, फिलहाल अजित पवार की नाराजगी सामने नहीं आई है। एन.सी.पी. जनरल सेक्रेटरी सुनील तटकरे ने कहा कि अजित दादा ने हमेशा संगठन के लिए काम किया है। उन्होंने बीते 24 वर्षों से पार्टी को मजबूत करने में योगदान दिया है। पार्टी के काम और जिम्मेदारियां निभाने के लिए किसी पद की आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने कहा कि अजित पवार परेशान नहीं हैं, वह महाराष्ट्र में काम करना चाहते हैं और कर भी रहे हैं। इस मामले पर एन.सी.पी. नेता छगन भुजबल की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि कार्यकारी अध्यक्ष के ऐलान के साथ ही चुनाव का काम और लोकसभा-राज्यसभा का काम बांट दिया जाएगा। चुनाव नजदीक आता देख उनके कंधों पर ज्यादा जिम्मेदारी दी गई है। 2024 लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यह अहम ऐलान है।

एन.सी.पी. में शरद पवार का उत्तराधिकारी कौन होगा? यह सवाल लंबे समय से उठाया जाता रहा है। इसके जवाब में अजित पवार को गद्दी मिलने के कयास लगते थे। हालांकि, अजित के बगावती तेवर ने कई बार इस पर प्रश्नचिह्न भी खड़े कर दिए। माना जा रहा था कि महाराष्ट्र की जिम्मेदारी एन.सी.पी. के भीतर अजित पवार के कंधे पर है। अगर कल को सी.एम. बनने का मौका मिला तो अजित पवार का नाम सबसे आगे होगा। मगर, शरद पवार ने 2 कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर बड़ा राजनीतिक खेल कर दिया है। बहस अब अजित पवार की तरफ से मोड़ दी गई है और इस मामले में उन्हें करीने से किनारे लगाने का प्रयास दिखता है। यहां सवाल खड़ा होता है कि अजित पवार को शरद पवार अपना उत्तराधिकारी नहीं चुन रहे हैं तो आगे का उनका प्लान क्या है? क्या शरद की जगह सुप्रिया सुले ले सकती हैं? अगर हां तो फिर उन्होंने 2 कार्यकारी अध्यक्ष क्यों चुने? दरअसल, बीते दिनों शरद पवार ने जो इस्तीफे वाला दाव चला उससे कई चीजें साफ हो गईं।

सड़क दुर्घटना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मौके पर बीमा कंपनी के अधिकारी राकेश सोलंकी व पैनल अधिवक्ता सूरज व्यास और अधिवक्ता किशन सोनी व संजय ओझा उपस्थित थे।

राजेश पायलट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पायलट की पुण्यतिथि के कार्यक्रम के बाद ही तस्वीर साफ हो पाएगी की चर्चाओं और अटकलों में कितना दम था। मंत्री मुरारी लाल मीणा एवं विधायक गजराज खटाना कार्यक्रम की तैयारियों को व्यवस्थित कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस दौरान गुर्जर छात्रावास में स्व. राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण किया जाएगा।

'अपराधिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनीता जैन की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह नोटिस दिया।

याचिका में अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि पारिवारिक रंजिश के चलते याचिकाकर्ताओं के खिलाफ उनके परिवारजनों ने बनीपार्क थाना पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि याचिकाकर्ताओं ने पावर ऑफ अटॉर्नी में फजीवाड़ा किया। रिपोर्ट पर अनुसंधान अधिकारी ने उचित अनुसंधान किए बिना ही याचिकाकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया, जिसके चलते याचिकाकर्ताओं को कई माह तक जेल में रहना पड़ा। वहीं मामले में याचिकाकर्ता को कोर्ट ने दोषमुक्त भी कर दिया। एफ.एस.एल. जांच में भी सामने आया कि पावर ऑफ अटॉर्नी में हस्ताक्षर फर्जी नहीं थे। याचिका में कहा गया कि अदालत से बरी होने के बाद याचिकाकर्ताओं ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई में जांच अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया था, जिसके बाद अनुसंधान अधिकारी को दोषी मानते हुए उसके खिलाफ 17 सी.सी.ए .के तहत कार्रवाई की गई। याचिका में गुहार की गई है कि प्रकरण में जांच के लिए कमेटी गठित की जाए और उन्हें गिरफ्तार करने वाले पुलिस अधिकारी पर कार्रवाई की जाए। इसके अलावा उनके मूलभूत अधिकारों के हनन के मुआवजे के तौर पर पचास-पचास लाख रुपए मुआवजे के तौर पर दिलाए जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

'देश का वर्तमान राजनीतिक माहौल 1977 जैसा है'

मुम्बई, 10 जून (वार्ता)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने देश के वर्तमान राजनीतिक माहौल की तुलना 1977 से करते हुए शनिवार को विश्वास जताया कि इस बार विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ मिलकर चुनाव लड़ेंगे और देश में परिवर्तन आयेगा।

पवार ने राकांपा के 25वें वर्ष में प्रवेश करने के अवसर पर अपने संदेश में कहा, मुझे याद है कि 1977 में देश में ऐसी ही स्थिति थी। कोई एक नेता सामने नहीं था, लोगों ने बदलाव का मन बना लिया, चुनाव के वक्त देश में एक नया माहौल पैदा हो गया और जनता पार्टी की हुकूमत आयी थी।

उन्होंने विपक्ष की एकता पर बल देते हुए कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में अलग-अलग विचारधारा की पार्टियों को एक साझा कार्यक्रम पर आगे चलने की तैयारी रखकर हाथ मिलाना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि इस देश की जनता परिवर्तन के लिए इन सभी की मदद करेगी। पवार ने बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल के नेता नीतीश कुमार की मेजबानी में 23 जून को पटना में होने वाली बैठक का उल्लेख किया।

- शरद पवार ने यह टिप्पणी करते हुये कहा कि, 1977 की भांति विपक्ष एक बार फिर एकजुट होगा।

अगर ट्रम्प दोषी पाये गये तो, वोट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जी.ओ.पी. उम्मीदवार खुलकर ट्रम्प की आलोचना कर रहे हैं। अर्कंसास के पूर्व गवर्नर असा हचिंसन ने अभियोग के बाद एक बयान जारी कर कहा है कि ट्रम्प ध्यान बंटा रहे हैं और उन्हें अपना अभियान बंद कर देना चाहिए।

यह सब होने से पहले ट्रम्प के पूर्व उप राष्ट्रपति माइक पेंस ने अपने पूर्व अधिकारी के लिए कहा, "जो कोई स्वयं को संविधान से ऊपर रखता है उसे कभी, "संयुक्त राज्य का राष्ट्रपति नहीं बनना चाहिए।"

शायद ट्रम्प के सबसे कटु आलोचक है न्यूजर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी। उन्होंने न्यू हैम्पशायर में एक उद्घाटन समारोह में कहा कि "ट्रम्प को आईने की सनक है" और "वे कभी गलती स्वीकार नहीं करते।" बल्कि जो कुछ गलत होता है उसका दोष डालने के लिए किसी और को ढूंढ लेते हैं जबकि जो सही हो रहा है उसका श्रेय स्वयं लेते हैं। लेकिन ट्रम्प विरोधी ये आवाजें कमजोर हैं। हचिंसन, क्रिस्टी और पेंस गुरूवार रात को शांत रहे और अधिकांश लोगों ने ट्रम्प की बजाय न्याय विभाग की आलोचना की। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसेंटिस, साउथ कैरोलिना के सीनेटर टिम स्कॉट और कई रिपब्लिकन कांग्रेसियों ने दावा किया था कि न्याय विभाग को ट्रम्प के विरूद्ध तैयार किया गया है और उन्होंने दोहरे मापदंड की शिकायत की।

डीसैंटिस ने ट्वीट कर कहा, "संघीय कानून प्रवर्तन को ज्यादा अधिकार देने का अर्थ है। खुले सामाजिक जीवन के लिए खतरा। हमने वर्षों तक कानून को असंतुलित रूप से लागू होते देखा है जो राजनैतिक झुकाव पर निर्भर करता है। ट्रम्प के पीछे इतने जोर-शोर से क्यों पड़े हैं जब हिलेरी (क्लिंटन) या हंटर (बाइडन) के मामले में शांत है। डीसेंटिस प्रशासन न्याय विभाग को जिम्मेवार बनाएगा, राजनैतिक पक्षपात समाप्त करेगा और सशस्त्रीकरण को हमेशा के लिए खत्म कर देगा। तकनीकी व्यवसायी विवेक रामास्वामी, जो स्वयं दौड़ में शामिल है, ने यहां तक कहा है कि वे राष्ट्रपति बनने के पहले ही दिन ट्रम्प को क्षमा कर देंगे। यह 2024 का चुनाव विचित्र और उल्लेखनीय होता जा रहा है। एक उम्मीदवार भूतपूर्व राष्ट्रपति है जिस पर दोहरा अभियोग चल रहा है, सुनवाई महीनों चल रहा है और न्यूयॉर्क में एक पेशी अगले साल है।

और ट्रम्प को केवल इन संभावित परिवर्तनों का ही सामना नहीं करना है। ट्रम्प की एक योजना पर एक मुकदमा जॉर्जिया में भी है, जिसमें चुनाव के नतीजे बदलने का आरोप है और एक अपराधिक मकुदमा 6 जनवरी को कैपीटॉल में हुए दंगों के संबंध में है।

यदि ट्रम्प को सजा होती है और जेल भेजा जाता है तो भी वे राष्ट्रपति का चुनाव लड़ सकते हैं हालांकि सजायाफ्ता होने पर वे फ्लोरिडा में वोट नहीं दे पाएंगे। यह देश के लिए विचित्र स्थिति है, चाहे यह न भी देखे कि ट्रम्प और बाइडन दोनों अमेरिका में सबसे पुराने चुनाव प्रत्याशी हैं और दोनों अलोकप्रिय हैं।

भारतीय ड्राइवरों के लिये भारी मार्केट ...

वाहन चला सकते हैं और जिनके पास वैध भारतीय ड्राइविंग लाइसैंस हैं। इस पद के लिए अच्छे, कुशल ड्राइवर का होना आवश्यक है। मगर इसकी शर्त यह है कि उसे अंग्रेजी आनी चाहिए, जिसके कारण अन्य तरीकों से योग्य अधिकांश ड्राइवर अयोग्य हो जाते हैं। हालांकि इस काम के लिए कोई शैक्षणिक योग्यता नहीं है मगर अंग्रेजी का ज्ञान आवश्यक है क्योंकि उस देश में यह आवश्यक है।

इस समय बंगलुरू स्थित कर्नाटक सरकार के इंटरनैशनल माइग्रेशन सैंटर में यूरोप के दो देशों पोलैंड और हंगरी के लिए बस ड्राइवरों की भर्ती हो रही है। कर्नाटक सरकार के कौशल उद्यमिता विकास अनुभाग को हंगरी से ट्रक डाइवरों और पोलैंड से बस ड्राइवरों की डिमांड मिल सकती है।

इंटरनैशनल माइग्रेशन सैंटर कर्नाटक विदेशों में रोजगार के लिए अधिकृत सूचना, मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और भर्ती की सुविधा उपलब्ध करवाता है।

केवल ड्राइवर नहीं बल्कि भारतीय इन बढ़ती उम्र वाली आबादी के देशों को चलाएंगे, चाहे शहरों का रख-रखाव हो या आवश्यक सेवाएं उपलब्ध करवाना। यह बात हैदराबाद स्थित श्रम विशेषज्ञ एम. भारत भूषण ने कही।

भारत भूषण, जिन्होंने देश के युवाओं की रोजगार चुनौतियों और अवसरों पर विस्तृत शोध किया है, ने कहा कि यह अवसर का एक ऐसा द्वारा है जिसका विभिन्न सरकारों और केन्द्र द्वारा अध्ययन किया जाना चाहिए ताकि भारत अपनी आबादी के संसाधन का पूरा उपयोग कर सके।

- पर, सख्त शर्त यह है कि, इन भारतीय ड्राइवरों को अंग्रेजी जरूर आनी चाहिए।

भारत भूषण ने कहा, "दुनिया की आबादी की उम्र बढ़ रही है इसका अर्थ है कि हमें इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए क्योंकि हमारे पास कुशल और अर्द्धकुशल कामगारों की फौज है जो अवसर का इंतजार कर रही है।

कर्नाटक के केन्द्र को अपने नवाचार के लिए बधाई देते हुए भारत भूषण ने कहा कि यह स्पष्ट मामला है देश में हर सरकार के लिए दुनिया में कुशल कामगार निर्यात करने का। यह कहना आसान है लेकिन करना मुश्किल क्योंकि किसी को विदेशों की जिम्मेवारी लेनी होगी और भारत सरकार को ठोस योजना बनाना होगी जिससे देश के युवाओं की कई समस्याएं आसान हो जाएं। कर्नाटक से ड्राइवर्स यूरोप भेजने के लिए केन्द्र येलागांका के ड्राइविंग ट्रैक्स पर ड्राइवरों के टैस्ट ले रहा है। चयनित अभ्यर्थियों को 6 माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसमें उन्हें 60,000 रूपये प्रति माह भत्ता मिलेगा और नौकरी लगने पर 1 से 5 लाख रूपये प्रति माह वेतन मिलेगा। भारत ने कहा, "हमें अब तक व्यापारिक शोध कर उन देशों की पहचान कर लेनी चाहिए जहां श्रमिकों की कमी है और वहां भारतीय कुशल कामगारों को भेजना चाहिए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908